राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 07, अंक 218 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, रविवार 19 अक्टूबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

स्पष्ट नीति और साफ नीयत के साथ प्रदेश में तीन गुणा गति से हो रहा विकास : मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार किसान, गरीब, युवा और महिलाओं के कल्याण तथा उनके सर्वांगीण उत्थान के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की विकास की नीति स्पष्ट है, नीयत साफ है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में तीन गुणा गति से विकास के कार्य आगे बढ़ रहे हैं। राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की भावना के साथ कार्य कर रही है। जिला पंचकूला में हरियाणा सरकार के गौरवमयी एक वर्ष पूरा होने पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को मुख्यमंत्री संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष हरविंद कल्याण, विधायक शक्ति रानी शर्मा और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण सभी जिलों में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रमों में किया गया और प्रदेशभर के नागरिकों ने मुख्यमंत्री के संदेश को सुना। वंचित अनुसूचित जातियों को दिया उनका अधिकार, सरकारी नौकरियों, पंचायत व स्थानीय निकायों के चुनावों में भागीदारी हुई सुनिश्चित

आय से अधिक संपत्ति का मामला : एसोसिएट प्रोफेसर के लॉकर से मिला 72 लाख का सोना

जयपुर । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की जयपुर इकाई ने अपने ऑपरेशन भू-देव के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए आय से अधिक संपत्ति के मामले में इन्दिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान, जयपुर के एसोसिएट प्रोफेसर रामअवतार मीणा के बैंक लॉकर की तलाशी ली। इस तलाशी के दौरान 560 ग्राम सोना बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 72 लाख रुपए आंकी गई है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि रामअवतार मीणा के खिलाफ दर्ज प्रकरण संख्या 270/2025 (आय से अधिक संपत्ति) के तहत उनके विभिन्न ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। इस दौरान एक लॉकर की चाबी मिली थी। आज 17.10.2025 को एसीबी जयपुर नगर प्रथम इकाई ने भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (स्वच्छ) की इन्दिरा गांधी नगर शाखा स्थित लॉकर की तलाशी ली। लॉकर से बरामद 560 ग्राम सोने की वैल्यूएशन करवाई गई, जिसमें इसकी कीमत 72 लाख रुपये बताई गई है। एसीबी अधिकारी ने बताया कि रामअवतार मीणा के एक निर्माणाधीन मकान की वैल्यूएशन भी करवाई जा रही है, जिसमें और अधिक बेनामी संपत्ति सामने आने की संभावना है। एसीबी की कार्रवाई अभी जारी है।

पंजाब के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर के घर से 7 करोड़ रुपये बरामद

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस के रोपड़ रेंज के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर पर रिश्वतखोरी के गंभीर आरोपों के बीच शुक्रवार को बड़ा खुलासा हुआ। सीबीआई ने उनके चंडीगढ़ सेक्टर-40 स्थित घर पर 21 घंटे तक चली तलाशी में 7 करोड़ रुपये नकद, 15 से अधिक संपत्तियों के दस्तावेज, ऑडी और मर्सिडीज जैसी लग्जरी कारों की चाबियां, विदेशी शराब, महंगी घड़ियां और तीन हथियार बरामद किए। भुल्लर और उनके कथित बिचौलिए कृष्णु को गुरुवार देर रात सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। दोनों को शुक्रवार को चंडीगढ़ की स्पेशल सीबीआई कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

रक्षा मंत्री की हुंकार से उड़ी पाकिस्तान की नींद

मेड इन इंडिया' ब्रह्मोस की पहली खेप सेना को समर्पित

तीनों सेनाओं की रीढ़ है ब्रह्मोस

लखनऊ (एजेंसी)। आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, भारत-रूस संयुक्त उद्यम की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस अब पूरी तरह 'मेड इन इंडिया' बनकर तैयार है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित ब्रह्मोस मिसाइल उत्पादन केंद्र में तैयार की गई पहली खेप आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में भारतीय सेना को सौंप दी गई। इसे देश की रक्षा क्षमता में एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को कड़े शब्दों में चेतावनी दी। उन्होंने कहा, पाकिस्तान की जहां तक बात है, तो अब उसकी एक-एक इंच जमीन ब्रह्मोस की पहुंच में है। ऑपरेशन सिन्दूर में जो हुआ, वह तो सिर्फ ट्रेलर था। पर उस ट्रेलर ने ही पाकिस्तान को यह एहसास दिला दिया, कि अगर भारत, पाकिस्तान को जन्म दे सकता है, तो समय आने पर वहज अब आगे मुझे बताने की जरूरत नहीं है, आप सभी समझदार हैं।

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पूरी तरह स्वदेशी ब्रह्मोस के सेना में शामिल होने से पाकिस्तान की नींद उड़ना तय है।

'ऑपरेशन सिंदूर' में दिखी थी ब्रह्मोस की ताकत

सूत्रों के अनुसार, 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय वायुसेना ने सुखोई-30 एमकेआई से एयर-लॉन्च ब्रह्मोस मिसाइल दागी थी। इस मिसाइल ने 300 किलोमीटर से अधिक की दूरी से पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को सटीकता से नेस्तनाबूद कर दिया था। यह पहली बार था जब भारतीय मिसाइल ने इतनी दूर से दुश्मन की धरती पर आतंकी अड्डों को तबाह किया।

ब्रह्मोस मिसाइल इस समय भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना, तीनों का अहम हिस्सा बन चुकी है। भारतीय थलसेना के पास फिलहाल चार ब्रह्मोस रेजिमेंट हैं, जो सामरिक रूप से महत्वपूर्ण इलाकों में तैनात हैं। वहीं, भारतीय नौसेना के लगभग सभी प्रमुख विध्वंसक युद्धपोत ब्रह्मोस मिसाइल से लैस हैं। इसके साथ ही, भारतीय वायुसेना के सुखोई Su-30 MKI लड़ाकू विमान भी अब एयर-लॉन्च ब्रह्मोस के साथ लंबी दूरी तक सटीक हमला करने में सक्षम हो गए हैं।

भविष्य की तैयारी और 'मेड इन इंडिया' क्षमता

वर्तमान ब्रह्मोस की रेंज 290 से 400 किमी है, लेकिन अब DRDO और ब्रह्मोस एयरोस्पेस 'BrahMos-NG' (नेक्स्ट जेनरेशन) पर काम कर रहे हैं। यह हल्की, तेज और स्टील्थ तकनीक से लैस होगी, जिसकी रेंज 500 किमी से अधिक तक बढ़ाए जाने की संभावना है। लखनऊ में बनी यह इकाई भारत की पहली फुल-स्केल असेंबली और इंटीग्रेशन यूनिट है। यहां सालाना 80 से 100 मिसाइलों के उत्पादन की क्षमता है, जिसे आगे बढ़ाकर 150 मिसाइलें प्रति वर्ष करने की योजना है। यह केंद्र न केवल सेना की जरूरतें पूरी करेगा बल्कि भविष्य में एक बड़ा निर्यात केंद्र भी बनेगा।

चिराग पासवान की प्रत्याशी सीमा सिंह का नामांकन रद्द, मढ़ौरा विधानसभा में एलजेपी (आर) को झटका

छपरा (एजेंसी)। मढ़ौरा सीट से बड़ी खबर सामने आई है। यहां चार प्रत्याशियों का नामांकन रद्द कर दिया गया है। इनमें एनडीए समर्थित लोजपा (रामविलास) की उम्मीदवार व फिल्मी कलाकार सीमा सिंह, बसपा के आदित्य कुमार, जदयू के बागी व पूर्व जिलाध्यक्ष अल्ताफआलम राजू तथा निर्दलीय विशाल कुमार शामिल हैं। 177 मढ़ौरा विधानसभा क्षेत्र की निर्वाची पदाधिकारी सह एसडीओ निधि राज ने इस संबंध में आधिकारिक घोषणा की।

लोजपा (आर) उम्मीदवार सीमा सिंह का नामांकन फॉर्म क्र में तकनीकी गड़बड़ी के कारण रद्द किया गया है। उन्होंने अंतिम दिन दोपहर करीब 3 बजे नामांकन दाखिल किया था। निर्वाचन आयोग की ओर से उन्हें गड़बड़ी सुधार कर शाम तक पुन: जमा करने का मौका दिया गया था, लेकिन वे समय पर संशोधित फॉर्म जमा नहीं कर सकीं। इस कारण उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी गई। सीमा सिंह मूल रूप से बरबीघा की रहने वाली हैं। उन्हें लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया था। इसी तरह बसपा प्रत्याशी आदित्य कुमार, जदयू के पूर्व जिलाध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू जिन्होंने बागी होकर निर्दलीय नामांकन किया था और निर्दलीय विशाल कुमार का भी नामांकन जांच के दौरान खामियों के चलते रद्द कर दिया गया है।

सभी उड़ानें हुईं रद्द

ढाका में हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगी भीषण आग

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में मौजूद हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे में शनिवार दोपहर भीषण आग लग गई, जिसके बाद वहां से सभी उड़ानों को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। जानकारी के मुताबिक एयरपोर्ट पर आग लगने की घटना दोपहर लगभग 2:15 बजे कार्गो टर्मिनल में हुई। आग इतनी तेज थी कि काले धुएं ने पूरे इलाके को ढक लिया, जिसके कारण सभी उड़ानें तत्काल निलंबित कर दी गईं। गनीमत ये रही कि, इस हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

दमकल, वायुसेना समेत एजेंसियां आग बुझाने में जुटी

मामले में बिमान बांग्लादेश एयरलाइन्स के प्रवक्ता कौसर महमूद ने बताया कि आग लगते ही हवाई अड्डे की दमकल टीम, वायुसेना की फायर यूनिट और अन्य एजेंसियों की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और मिलकर आग पर काबू पाने का अभियान शुरू किया। सिविल एविएशन अथॉरिटी ऑफ बांग्लादेश (सीएएबी) के अधिकारियों ने बताया कि आग दोपहर के समय भड़की। सूचना मिलते ही दो दर्जन से अधिक फायर फाइटिंग यूनिट्स को मौके पर भेजा गया। फायर सर्विस के प्रवक्ता ताल्हा बिन जासिम ने कहा, 'हमें 2:30 बजे सूचना मिली और तुरंत हमारी टीमों को भेजा गया।' कुल 36 फायर फाइटिंग यूनिट्स आग बुझाने में लगे हुए हैं। सेना, वायुसेना, नौसेना और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के कर्मी भी आग बुझाने और राहत कार्य में शामिल हुए। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कार्गो क्षेत्र में रखे रासायनिक पदार्थों के कारण आग को काबू में करना और भी मुश्किल हो गया।

ढाका में उड़ानों पर प्रभाव

सीएएबी के एक प्रवक्ता ने बताया, 'सभी हवाई जहाज सुरक्षित हैं, लेकिन सभी लैंडिंग और टेकऑफतब तक निलंबित रहेंगे जब तक स्थिति नियंत्रित नहीं होती।' कम से कम नौ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को ढाका की बजाय चट्टोग्राम और सिलहट के हवाई अड्डों पर डायवर्ट किया गया। इनमें आठ उड़ानें चट्टोग्राम पहुंचीं और एक उड़ान सिलहट में लैंड की।

ढाका में एक चार मंजिला वेयरहाउस में लगी थी आग

बता दें कि यह घटना बांग्लादेश में हाल के दिनों में हुई आग की तीसरी बड़ी घटना है। मंगलवार को ढाका में एक चार मंजिला गारमेंट फैक्ट्री और केमिकल वेयरहाउस में आग लगने से 16 मजदूरों की मौत हुई और कई अन्य घायल हुए। गुरुवार को चिट्टागोंग एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन (सीईपीजेड) में आठ मंजिला फैक्ट्री पूरी तरह जल गई, हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ।

महाराष्ट्र में भीषण हादसा : मंदिर से लौटते वक्त 8 जिंदगियां खत्म, गहरी खाई में समाई गाड़ी

नंदुरबार (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें आठ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना तब घटी जब श्रद्धालुओं से भरा एक वाहन चांदशाली घाट पर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। महाराष्ट्र पुलिस ने शनिवार को इस घटना की जानकारी दी।

यह हादसा शहादा पुलिस थानाक्षेत्र में हुआ। जानकारी के मुताबिक, वाहन में सवार सभी लोग अस्तंबा देवी के मंदिर में दर्शन करके वापस लौट रहे थे। वापसी के दौरान, घाट पर एक चढ़ाई के वक्त वाहन चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन गहरी खाई में गिर गया। पुलिस के अनुसार, खाई काफी गहरी थी और हादसा इतना भीषण था कि वाहन में सवार लोग छिटककर बाहर गिर पड़े। वाहन भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है।

इस भीषण हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई और बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने घायलों को तत्काल तलोदा उप-जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसके बाद उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया।

गौरतलब है कि अस्तंबा देवी की यात्रा का आदिवासी समुदाय में बहुत महत्व है और गुजरात तथा महाराष्ट्र से बड़ी संख्या में लोग यहां दर्शन के लिए आते हैं। जिस चांदशैली घाट पर यह हादसा हुआ है, वह बेहद खतरनाक माना जाता है। यहां पर कई जगहों पर बहुत खड़ी चढ़ाई है, जिससे हादसे का खतरा हमेशा बना रहता है।

अब और खतरनाक होगी अस्त्रा-2 मिसाइल, डीआरडीओ को मिला पीएल-15 मिसाइल का फॉर्मूला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपने रक्षा तंत्र को लगातार आधुनिक बना रहा है। देश में स्वदेशी तकनीक से मिसाइल और फाइटर जेट विकास को नई गति मिल रही है। इसी कड़ी में भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने चीनी PL-15 मिसाइल के विश्लेषण के बाद उसकी कुछ उन्नत तकनीकी विशेषताएं भारत में विकसित हो रही एस्ट्रा मार्क-2 मिसाइल परियोजना में शामिल करने का निर्णय लिया है।

यह फैसला उस समय लिया गया जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान वायुसेना द्वारा दागी गई PL-15E मिसाइल का विश्लेषण किया गया। यह मिसाइल छुस्न-17 या छु-10ष्ट लड़ाकू विमान से दागी गई थी, जो पंजाब के होशियारपुर के पास एक खेत में गिरी थी। मिसाइल टारगेट को हिट करने में विफल रही और बिना विस्फोट के सुरक्षित बरामद कर ली गई। डीआरडीओ के वैज्ञानिकों के लिए यह दुर्लभ खुफिया अवसर था, क्योंकि यह मिसाइल आत्म-विनाश तंत्र के बिना थी। इसके बाद वैज्ञानिकों ने इसकी तकनीकी संरचना और रडार प्रणाली का गहराई से अध्ययन किया।

चीनी हथियार की उन्नत खूबियां की रिपोर्ट के मुताबिक, जांच में सामने आया कि चीनी PL-15 मिसाइल में कई उन्नत विशेषताएं हैं। इनमें उन्नत प्रणोदक युक्त लघु AESA रडार, मैक 5 से अधिक गतिबनाए रखने की क्षमता, बेहतर एंटी-जैमिंग तकनीक शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान वायुसेना अब चीन से लंबी दूरी की PL-17 मिसाइलें और तुर्की से 2,000 कामिकेज़ ड्रोन खरीदने की कोशिश में है। इसके अलावा, उसने अमेरिका को भी उच्च तकनीक वाले हथियारों की एक सूची सौंपी है।

भारत का जवाब : स्वदेशी ताकत और उन्नत मिसाइलें

दूसरी ओर, भारत ने राफेल लड़ाकू विमानों के लिए अतिरिक्त मेटियोर मिसाइलें खरीदने की दिशा में कदम बढ़ाया है। साथ ही, डीआरडीओ 800 किलोमीटर रेंज वाली अगली पीढ़ी की ब्रह्ममोस मिसाइल विकसित कर रहा है, जो पूरे पाकिस्तान को कवर करने में सक्षम होगी।

सीएम स्टालिन ने केंद्र पर लगाए कई आरोप

राज्यपालों के जरिए अराजकता क्यों फैलाई जा रही है?

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर राज्य के साथ गहरा पक्षपात करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि न केवल राज्य के वित्त मंत्री थंगम थेनारासु ने वित्तीय भेदभाव की ओर इशारा किया है, बल्कि लोगों के दिलों में भी कई सवाल उठ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं भी कुछ सवाल पूछना चाहता हूं। जो लोग भ्रष्टाचार के मामलों में फंसे हैं, वे भाजपा गठबंधन में शामिल होते ही कैसे साफ हो जाते हैं? यह कैसी वॉशिंग मशीन है?' उन्होंने एक बार फिर अपने वॉशिंग मशीन वाले तंज को दोहराया।

हिंदी-संस्कृत को लेकर केंद्र सरकार को घेरा

सीएम स्टालिन ने यह भी पूछा कि देश की योजनाओं और कानूनों के नाम केवल हिंदी और संस्कृत में ही क्यों रखे जाते हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'केंद्रीय मंत्री हमारे बच्चों को अंधविश्वास क्यों सिखा रहे हैं? विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों में राज्यपालों के जरिए अराजकता क्यों फैलाई जा रही है?'

भाजपा पर वोट धांधली का लगाया आरोप

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वोट पाने के लिए धांधली की रणनीति अपना रही है और एसआईआर मॉडल के जरिए चुनाव में गड़बड़ी कर रही है। साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्र सरकार कीझाड़ी पुरातात्विक स्थल की वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित रिपोर्ट को स्वीकार क्यों नहीं कर रही। स्टालिन ने कहा, 'क्या आप फिर से व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से झूठा प्रचार शुरू करेंगे?'

वित्त मंत्री थंगम थेनारासु ने केंद्र से पूछे कई सवाल

इससे पहले, 17 अक्तूबर को विधानसभा में राज्य की वित्तीय स्थिति पर बोलते हुए वित्त मंत्री थंगम थेनारासु ने केंद्र से 10 सवाल पूछे और वित्तीय भेदभाव का आरोप लगाया। जिसमें ये आरोप शामिल हैं- 1) सहकारी संघवाद के नाम पर जीएसटी सुधार के बावजूद राज्यों को उचित हिस्सा नहीं। 2) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और हिंदी थोपकर तमिलनाडु के बच्चों की शिक्षा को नुकसान। 3) सड़कों की योजनाओं में तमिलनाडु को शामिल न करना। 4) दक्षिण रेलवे को नई परियोजनाओं के लिए फंड में भेदभाव। 5) मदुरै और कोयंबटूर मेट्रो रेल परियोजनाओं को मंजूरी में देरी। 6) जल जीवन मिशन योजना के तहत तमिलनाडु को मिलने वाले ?3709 करोड़ की राशि जारी न करना। 7) जनसंख्या में 6त्न हिस्सेदारी के बावजूद वित्तीय वितरण में केवल 4त्न हिस्सा देना।

केंद्र सहकारी संघवाद का केवल नारा लगाता है- वित्त मंत्री

वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सहकारी संघवाद का केवल नारा लगाता है, लेकिन व्यवहार में तमिलनाडु के साथ भेदभाव किया जा रहा है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इन सवालों को आगे बढ़ाते हुए कहा कि तमिलनाडु के लोग इस दोहरे रवैये को देख रहे हैं और जवाब मांग रहे हैं।

डुप्लीकेट टूथपेस्ट बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी रॉबरी एंड स्नैचिंग सेल (एआरएससी) ने राजधानी के शास्त्री पार्क इलाके में चल रही नकली टूथपेस्ट बनाने वाली फैक्ट्री का पर्दाफाश किया। पुलिस ने मौके से कोलगेट और क्लोज-अप ब्रांड्स के कुल 18,300 भरी हुई नकली टूथपेस्ट ट्यूब, 11,000 खाली ट्यूब, 150 किलो पेस्ट व पैकेजिंग सामग्री, और ट्यूब फिलिंग व सीलिंग मशीन (टीएपएस मशीन) जब्त की है। इस सिलसिले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर मंगेश त्यागी और रॉबिन त्यागी के नेतृत्व में, एसीपी संजय कुमार नागपाल की देखरेख में यह कार्रवाई गुरुवार को की गई थी।

भारतीयों को लेकर जा रही नाव पलटी, तीन की मौत, 5 अब भी लापता

हिंद महासागर में बड़ा हादसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंद महासागर में भारतीय नागरिकों को ले जा रही एक नाव दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में तीन भारतीयों की मौत हो गई, जबकि 5 लोग अब भी लापता हैं। उनकी तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। यह हादसा शुक्रवार को मोजाम्बिक के बीरा पोर्ट के पास हुआ। मोजाम्बिक में भारतीय दूतावास के अनुसार, नाव में एक टैंकर के क्रू मेंबर सवार थे, जिन्हें रोजाना की तरह ऑपरेशन ट्रांसफर के लिए टैंकर पर ले जाया जा रहा था। तभी अचानक नाव पलट गई, जिससे यह हादसा हुआ।

दूतावास ने बताया कि नाव में कुल 14 भारतीय नागरिक सवार थे। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। भारतीय दूतावास ने कहा कि दुर्भाग्यवश इस हादसे में कुछ भारतीयों की जान चली गई और कुछ लापता हैं। हम मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं और पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद दी जाएगी।

दूतावास के अनुसार, हादसे के बाद 5 भारतीयों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में उसका इलाज जारी है। स्थानीय प्रशासन और भारतीय दूतावास की टीम 5 लापता नागरिकों की तलाश में लगी है। राहत और बचाव अभियान अभी भी जारी है। दूतावास ने कहा कि पूरे ऑपरेशन पर लगातार नजर रखी जा रही है और स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय किया जा रहा है ताकि लापता भारतीयों का जल्द पता लगाया जा सके।

छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर राष्ट्रीय पटल पर बनाई अपनी पहचान

राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ को किया सम्मानित: आदि कर्मयोगी अभियान और पीएम जनमन योजना में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य घोषित

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर राष्ट्रीय पटल पर अपनी सशक्त पहचान दर्ज कराई है। आदि कर्मयोगी अभियान और प्रधानमंत्री जनमन योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए राज्य को आज भारत के राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य' के रूप में सम्मानित किया गया। यह सम्मान राजधानी दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। राज्य सरकार और जनजातीय विकास विभाग की ओर से यह सम्मान प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने राष्ट्रपति के करकमलों से प्राप्त किया।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने इस मौके पर पीएम जनमन योजना और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत छत्तीसगढ़ में जनजातियों और विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों के विकास के लिए किए जा रहे कार्यो के संबंध में विस्तार से प्रस्तुती दी। वहीं मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी की कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने जिलों में जनजातियों के विकास में किए जा रहे कार्यो की जानकारी दी। कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुआल ओराम तथा राज्य मंत्री श्री दुर्गा दास उइके, जनजातीय कार्य मंत्रालय के सचिव विभु नायर भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर समस्त विभागीय अधिकारियों और फील्ड टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान राज्य के उन कर्मयोगियों के परिश्रम और समर्पण की पहचान है, जिन्होंने जनजातीय सशक्तिकरण को धरातल पर साकार किया है। कार्यक्रम में धमतरी और कोरिया जिलों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इसके साथ ही जनजाति विभाग के स्टेट ट्रेनर श्री ललित शुक्ला को भी व्यक्तिगत श्रेणी में पुरस्कार प्राप्त हुआ। आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत मोहला-मानपुर, बालोद, दंतेवाड़ा और धमतरी जिलों को 'स्क्रीन फेलिसिटेशन अवार्ड' मिला, जो इस बात का प्रमाण है कि जनजातीय सेवा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को राज्य के प्रत्येक जिले में प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। इस मौके धमतरी कलेक्टर श्री अविनाश मिश्रा, कोरिया कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी, बालोद कलेक्टर श्रीमती दिव्या मिश्रा एवं दंतेवाड़ा कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत उपस्थित थे। आदिम जाति विकास मंत्री श्री राम विचार नेताम ने इस उपलब्धि पर पूरे विभाग को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जनजातीय विकास विभाग ने जन-कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर सफलतापूर्वक लागू किया है।

बिसाहूदास महंत मेडिकल कालेज को मिली पीजी की मान्यता: ज्योत्सना महंत

कोरबा (समय दर्शन)। बिसाहूदास महंत मेडिकल कॉलेज कोरबा में पीजी के 4 संकायों को नेशनल मेडिकल काउंसिल से हरी झंडी मिली जिसमे एमडी एनेस्थीसिया, स्त्रीरोग, व जनरल सर्जरी शामिल है कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने कहा है कि कोरबा के शासकीय बिसाहूदास महंत स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय प्रारम्भ होने के बाद इस दिशा में तेजी से कामकाज हुए। 4 वर्ष में चिकित्सा में पर्याप्त सीटें हासिल हुई है। इसका लाभ चिकित्सा छात्रों को मिल रहा है। आदिवासी जिला कोरबा में स्थापित मेडिकल कालेज में छग सहित अन्य प्रदेशों के छात्र- छात्राएं चिकित्सा क्षेत्र में अध्ययनरत है, अब महाविद्यालय में पीजी के एमडी एनेस्थीसिया, स्त्रीरोग, व जनरल सर्जरी व जनरल मेडिशिन के संकाय का लाभ उच्च शिक्षा के लिए मिल सकेगा। सांसद ज्योत्सना महंत ने कहा कि कोरबा चिकित्सा महाविद्यालय में सामूहिक प्रयासों से भवन निर्माण के साथ-साथ अन्य जरूरी अधोसंरचना के लिए फंड आबंटित हुआ है और भब्य मेडिकल कालेज भवन सर्व सुविधा युक्त हॉस्टल सहित अन्य जरूरतों के लिए भवन का निर्माण कार्य जारी है। मेडिकल सेक्टर के लिए यह बड़ी उपलब्धि होगी गायनिक, मेडिसीन, सर्जरी, एनेस्थिसिया जैसे विभाग शुरू किए जाएंगे, मेडिकल कॉलेज प्रबंधन की जागरूक पहल से छात्रों के अनुसंधान कार्यों के लिए पार्थिव शरीर भी लगातार प्राप्त हो रहे है। उन्होंने कहा कि कोरबा मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए बीते वर्षों में राज्य सरकार तक पहल की गई और वहां से केन्द्र को प्रस्ताव भेजा गया। कोरबा जिले की जरूरत को ध्यान में रखते हुए यह प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। उक्तानुसार कोरबा के पुराने 100 बेड हास्पिटल को मेडिकल कॉजेज से संबंद्ध होकर चलाया जा रहा है। यहां पर पर्याप्त संख्या में विशेषज्ञों और स्टाफ की पदस्थापना किए जाने से कोरबा सहित आसपास के जिले के मरीजों को लाभ मिल रहा है। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन सिंह, स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से मिले सहयोग के लिए आभार जताया है।

किसान हमारे अन्नदाता हैं, देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़-सांसद रूपकुमारी

किसानों को वितरित की गई आदान सहायता सामग्री

महासमुंद(समय दर्शन)। रजत जयंती वर्ष 2025-26 के उपलक्ष्य में एक्सटेंशन रिफार्म्स आत्मा योजना के अंतर्गत आज भीमराव अम्बेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन, संजय कानन के पास, बागबाहरा रोड, महासमुंद में एक दिवसीय जिला स्तरीय किसान मेला का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी थीं, जबकि विशिष्ट अतिथि विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा रहे। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, जिला पंचायत सदस्य जुगनू चंद्राकर, महेंद्र सिक्का सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

मेले में विभागीय प्रदर्शनी और उत्कृष्ट कृषकों का सम्मान

मेले में विभिन्न विभागों द्वारा कृषकों को नवीन तकनीकी जानकारी एवं योजनाओं की जानकारी देने हेतु आकर्षक स्टॉल लगाए गए। सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने सभी स्टॉलों का अवलोकन किया और विभागीय अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली।

इस अवसर पर अतिथियों द्वारा जिले के उत्कृष्ट किसानों को कृषक आदान सहायता सामग्री प्रदान की गई। साथ ही आत्मा योजना अंतर्गत नवाचारों और कृषि में उपयोगी वैज्ञानिक विधियों की जानकारी भी साझा की गई।

किसान हमारे अन्नदाता हैं

सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं, देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों को वैज्ञानिक पद्धतियों, आधुनिक कृषि उपकरणों और नवीन तकनीकों को अपनाना चाहिए, जिससे उत्पादन और आय दोनों में वृद्धि हो। उन्होंने महिलाओं की सक्रिय सहभागिता को कृषि विकास की मजबूत कड़ी बताते हुए कहा कि ऐसे मेले किसानों को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करते हैं।

कृषक मेला किसानों को तकनीकी मंच प्रदान करता है- विधायक योगेश्वर राजू

विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार किसानों की समृद्धि और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर नई योजनाएँ लागू कर रही है। यह किसान मेला किसानों को जानकारी, नवाचार और तकनीकी सहयोग प्रदान करने का एक सशक्त मंच है।

उन्होंने कहा कि महासमुंद जिले के किसान मेहनती और नवाचारी हैं। यदि सभी किसान योजनाओं का अधिकतम लाभ लेकर आधुनिक तकनीक अपनाएं, तो महासमुंद जिले को कृषि नवाचार का केंद्र बनाया जा सकता है।

विभागीय सहभागिता और तकनीकी जानकारी

मेले में महिला एवं बाल विकास विभाग, आदिवासी विकास विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र, पशु चिकित्सा, कृषि यंत्रीकरण, उद्यानिकी, मत्स्य पालन एवं रेशम पालन विभाग के स्टॉलों पर किसानों को योजनाओं की जानकारी दी गई। कृषक उपयोगी उत्पादों एवं तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम में उप संचालक कृषि एफआर. कश्यप, संदीप घोष, राजू चंद्राकर, मुन्ना साहू, प्रकाश शर्मा, संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा सभी विकासखंडों से आए बड़ी संख्या में कृषकगण उपस्थित रहे।

शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर में नेवता भोज का आयोजन

बसना(समय दर्शन)। बसना विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर, संकुल केंद्र जमदरहा में संकुल समन्वयक डिजेंद्र कुर्रे के मार्ग्गदर्शनम एवं प्रधान पाठक गफ्फार खान के नेतृत्व में पूर्व पंच कायतराम द्वारा प्रधान मंत्री पोषण योजना अंतर्गत नेवता भोज का आयोजन किया गया। नेवता भोज में मिक्चर, चाकलेट ,अमरूद, बिस्किट , जलेबी, मूंगफल्ली वितरित किया गया । नेवता भोज का आनंद सभी बच्चों ने लिया। नेवता भोज देने के लिए प्रधान पाठक गफ्फार खान ने कायतराम जी को धन्यवाद दिया। इस नेवता भोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान पाठक गफ्फार खान ने कहा कि नेवता भोज से समुदाय और विद्यालय के बीच अपनेपन की भावना बढ़ती है। शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नेहरूलाल ने कहा कि नेवता भोज कार्यक्रम से बच्चों को पौष्टिक आहार तो मिलता ही है इसके अलावा बच्चों को विद्यालय की ओर आकर्षित करने का एक बेहतरीन योजना है। ग्राम पंचायत बनडबरी के सरपंच नोनी बाई ने कहा कि प्रत्येक माह विद्यालय में नेवता भोज का आयोजन होना गर्व की बात है। इसका पूरा श्रेय प्रधान पाठक को जाता है। आज के कार्यक्रम में शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नेहरू लाल, उपाध्यक्ष खेमकुमारी पूर्णानंद, कायतराम, रत्थूराम, गणेशराम, महेतरीन, बुधियारीन, भगवती, सहायक शिक्षक प्रहलाद साहू, आंगनबाड़ी सहायिका गायत्री आदि उपस्थित थे। नेवता भोज के इस आयोजन पर बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्रीविशाल जोल्हे,, विकास खण्ड स्त्रोत समन्वयक अनिल सिंह साव , सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कंवर, जमदरहा नोडल प्राचार्य उत्तर कुमार चौधरी, जमदरहा संकुल समन्वयक डिजेंद्र कुर्रे, जमदरहा संकुल के शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

विवादित भूमि की मौका जांच में पहुंची राजस्व विभाग की टीम, मारपीट के मामले में केस दर्ज

पिथौरा(समय दर्शन)। सांकरा थाना क्षेत्र के ग्राम बिजराभांठा में विवादित जमीन की मौका जांच हेतु राजस्व निरीक्षक के नेतृत्व में पहुँची टीम ने जांच की। इसी दौरान मारपीट करने के मामले में तीन लोगो के खिलाफकेस दर्ज किया गया है। सुरेश पटेल पिता स्व. मृत्युन्जय पटेल उम्र 32 साल निवासी ग्राम लोहरीनडोंगरी ने पुलिस को बताया कि, 17 अक्टूबर को दोपहर करीब 1 बजे आवेदिका मालती पिता स्व0 रविलाल निवासी बिजराभांठा के द्वारा नायब तहसीलदार पिथौरा के समक्ष जमीन के नक्शा सुधार हेतु आवेदन दिये जाने पर जमीन के मौका जांच हेतु नायब तहसीलदार पिथौरा के द्वारा राजस्व निरीक्षक मुकेश साहू के नेतृत्व में पटवारी रूपधर नायक, पटवारी पूजा कुशवाहा ,पटवारी राजेन्द्र डोंगरे की टीम गठित किया गया था। जिस पर 17 अक्टूबर को दोपहर करीबन 1 बजे मौका बिजराभाठा पहुंचे। मौका जांच हेतु दोनों पक्षों एवं समीपस्थ किसानों को उपस्थित होने हेतु नोटिस दिया गया।

आवेदिका मालती पिता रविलाल, एवं अन्य बहनें गंगा बाई जमूना बाई तथा अमृता पटेल, गीता प्रसाद पिता राधे लाल, धनुर्जय पिता राधे लाल, सुरेश पटेल, गुरूचरण, प्रेमशंकर, बसंत पटेल एवं हेमत पटेल एवं उसके दो बेटे उपस्थित हुये तथा मौके पर कार्यवाही में सहयोग हेतु सांकरा पुलिस बल भी मौजूद थी।

मौके पर विवादित जमीन का मौका जांच पूर्ण करने के बाद राजस्व निरीक्षक द्वारा दोनों पक्षों को वर्तमान नक्शा के अनुसार चिन्हांकन कर बताया गया। दोनों पक्षों से आपसी बंटवारा के अनुसार किस प्रकार का बंटवारा मिला था उसकी जानकारी पूछा गया।

इसी दौरान दोपहर करीब 2 बजे हेमंत पटेल एवं उसके लड़के मोहित पटेल, सुरेन्द्र पटेल ने सुरेश पटेल को अश्लील गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ मुक्का से मारपीट की। पुलिस ने मामले की शिकायत के बाद आरोपी हेमंत पटेल, मोहित पटेल और सुरेन्द्रम पटेल के खिलाफ अपराध कायम किया है।

जश्न रिसोर्ट में तोड़फोड़, मारपीट व लूट मामले में प्रथम पक्ष के आरोपियों को न्यायालय से मिली अग्रिम जमानत

कोरबा (समय दर्शन)। हरियाणवी डांसर सपना चैधरी के कार्यक्रम उपरांत उनके विश्राम स्थल होटल जश्न रिसोर्ट में जाकर तोड़फोड़, मारपीट,लूट, गोली मारने की धमकी, उत्पात करने के मामले में आरोपी बनाए गए दूसरे पक्ष के व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के मामले में प्रथम पक्ष के आरोपियों को न्यायालय ने अग्रिम जमानत प्रदान कर दी है। न्यायालय डॉ. ममता भोजवानी, अपर सेशन न्यायाधीश एफटी.एस.सी कोरबा के समक्ष कोतवाली में दर्ज अपराध क्रमांक 748/2023 धारा 296, 115(2), 309(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 में प्रस्तुत अग्रिम जमानत याचिका अंतर्गत धारा 482 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में पारित आदेश से करनदीप सिंह उर्फ कैनी, पिता स्व. जगराज सिंह 38 वर्ष, निवासी जश्न रिसार्ट, दर्री रोड, गुरबीर सिंह उर्फ गोल्डी पिता सुखविंदर सिंह, 42 वर्ष, निवासी दर्री रोड और ईशान सिंह, पिता गुरमीत सिंह 36 वर्ष, निवासी दर्री रोड को राहत मिली है। आवेदकगण की ओर से अधिवक्ता बलराम तिवारी ने मजबूत तर्क रखे जिससे सशर्त जमानत का लाभ मिला है। गौरतलब है कि 12 अक्टूबर 2025 को जश्न रिसार्ट में सपना चैधरी का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के समापन के पश्चात रात लगभग 12 से 1.30 बजे के मध्य जब वे अपने कमरे में टीम के सदस्यों के साथ आराम कर रहीं थीं तब आयोजनकर्ताओं में शामिल अमित, अनिल, युगल और सुजल अग्रवाल ने पहुंचकर दरवाजे को जोर-जोर से लात मारा और गाली-गलौच करते हुए गोली मार देने की धमकी दी गई। ज्यादा पैसा लेने का आरोप लगाते हुए टीम के साथ झगड़ा और विवाद मारपीट किया गया। इन्हें समझाने और रोकने पर जश्न रिसोर्ट के मालिक कारणदीप और भाईयों व उनके स्टाफके साथ मारपीट करते हुए तोड़फोड़ व लूट को अंजाम दिया गया। दूसरी तरफइस प्रकरण में शिकायतकर्ता अनिल द्विवेदी ने जश्न रिसार्ट के मालिक कारणदीप सहित उपरोक्त तीनों के विरुद्ध कोतवाली में अपने और अपने साथियों के साथ मारपीट करने सहित अन्य आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराया था। इस प्रकरण में कारणदीप की तरफसे अग्रिम जमानत आवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिस पर सुनवाई करते हुए इन्हें सशर्त जमानत दे दी गई है।

बालहित में किया गया विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन

सरायपाली (समय दर्शन)। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ठ विद्यालय सरायपाली में बेगलेस डे को आनंदवर्धक बनाने, कौशल विकास के पावन उद्देश्य को लेकर सेजेस के नवनियुक्त प्राचार्य प्रदीप नारायण सेठ के कुशल मार्गदर्शन में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन बालहित में किया गया।

एसएमडीसी अध्यक्ष डॉ आशीष दास ने कहा कि बाल प्रतिभाओं को नित्य नया अवसर देने और उपलब्धियों में सतत वृद्धि हेतू यह गतिविधियां काफ़ी महत्वपूर्ण है इनसे काफ़ी सीख मिलती है।

नवपदस्थ सेजेस प्राचार्य प्रदीप नारायण सेठ ने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता से काफ़ी प्रोत्साहन मिलता है जो जीवन पथ में उत्तरोत्तर प्रगति हेतु मार्ग प्रशस्त कर लक्ष्य प्राप्ति में मदद करता है। रंगोली और दीया सजाओ प्रतियोगिता में निर्णायक के रुप में रेखा पुरोहित, मीना एस. प्रकाश, रश्मि राजा चित्रकला प्रतियोगिता में निर्णायक महेश नायक, नरेश कुमार पटेल, दिनेश कुमार कर गणनकर्ता/पुरस्कार वितरण/प्रमाणन टीम में प्रवीण कुमार तिवारी, यशवन्त कुमार चौधरी, विशिकेशन नैरोजी शामिल रहे। दीया सजाओ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान देविका साव, द्वितीय कोमल साहू, तृतीय ईशिका पटेल एवं समृद्धि नायक रहीं।माध्यमिक स्तर पर गायत्री पटेल ग्यारहवीं ने प्रथम स्थान कायम किया। ग्रीटिंग कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संयुक्त रूप से प्रथम स्थान आलिया तबस्सुम एवं कामना साहू, द्वितीय स्थान आमिल हुसैन एवं समृद्धि नायक तृतीय स्थान पर रागिनी सेठ एवं तेजल साहू रहीं। माध्यमिक स्तर पर प्रथम स्थान गायत्री पटेल ने प्राप्त किया। ड्रॉइंग पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आयुष प्रधान, द्वितीय स्थान वंश ठाकुर तृतीय स्थान पर संयुक्त रुप से आदित्यानन्द जायसवाल एवं कामना साहू रहीं।माध्यमिक स्तर पर अपूर्वा साहू ग्यारहवीं ने श्रीकृष्ण का मनभावन, रंगीन चित्र उकेर कर अपनी प्रतिभा दिखाई और प्रथम स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संयुक्त रूप से राधिका डडसेना एवं रिया यादव और देविका साव ने प्राप्त किया वहीं द्वितीय स्थान देविका एवं कोमल साहू तृतीय स्थान रीनू बारिक ने प्राप्त किया। माध्यमिक स्तर पर प्रथम स्थान रिया प्रधान, द्वितीय स्थान पर संयुक्त रुप से तनुष्का नायक एवं गायत्री पटेल, तृतीय स्थान पर सोफिया बानो एवं खुशी ने प्राप्त किया।

इस प्रकार सेजेस सरायपाली में आयोजित विविध प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और अपने कला कौशल का हूनर दिखाया एसएमडीसी अध्यक्ष डॉ आशीष दास, सेजेस प्राचार्य प्रदीप नारायण सेठ, व्याख्याता - लता साहु, महेश नायक, मीना एस. प्रकाश, नरेश पटेल, जलंधर वर्गे, सुब्रत प्रधान, रेखा पुरोहित, प्रवीण तिवारी, दिनेश कुमार कर, उमा नायक, हरिश कुमार चौधरी, लक्ष्मी चौधरी, ज्योति सलूजा, प्रधान पाठक यशवंत कुमार चौधरी, शिक्षक- विनोद कुमार चौधरी, श्यामसुंदर दास, शिक्षिका रश्मि राजा, गजानंद प्रधान, विशिकेशन नैरोजी, हिमाद्री प्रधान ,मंजिला चौधरी, नेतराम पटेल, धनपत सिदार, भारती सिदार, नेहा दास साहु, गुलाब चौहान, अक्षय भोई, मौसमी माथुर, शिवेंद्र सिंह सोनवानी, साकेत राजवाड़े, लिपिक रोहित कुमार मुन्ना एवं सविता सिदार, भृत्य घसियाराम चौहान, गीती बरिहा, केशव प्रसाद चौहान आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा और सभी ने प्रतिभागियों का खूब उत्साहवर्धन किया।

संक्षिप्त-खबर

बाइक की टक्कर से 1 की मौत, 2 घायल

बागबाहरा(समय दर्शन)। बागबाहरा थाना क्षेत्र के ग्राम पतेरापाली के पास हॖ 353 रोड पर बाइक की टक्कर से एक की मौत हो गई, वहीँ दो लोग घायल हो गये। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी बाइक चालक के खिलाफकेस दर्ज कर लिया है। थाने में दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक, गिरधर दीवान पिता मन्नू राम दीवान उम्र 30 साल निवासी ग्राम टेढीनारा। 12 अक्टूबर 2025 को रात करीबन 9 बजे लिंगराज कोल्ड स्टोर रायपुर से अपने घर ग्राम टेढीनारा जाने के लिए मोटर सायकल से निकले थे। मोटर सायकल को गिरधर दीवान चला रहा था, बीच में मधु कुमार दीवान तथा पीछे निरंजन दीवान बैठे थे। इसी दौरान ग्राम पतेरापाली के पास पीछे से आ रही मोटर सायकल की टक्कर से तीनों गिर गये। टक्कर मारने वाला वहां से भागने लगा। इस बीच निरंजन दीवान ने मोटर सायकल का नंबर देखा जिसका नंबर **CG** 06 **HD** 8640 था। कुछ देर बाद डायल 112 वाहन से घायलों को बागबाहरा अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद वे अपने घर चले गये। गिरधर दीवान का तबियत अधिक खराब होने के कारण 14 अक्टूबर को बागबाहरा अस्पताल ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मर्ग जांच के बाद पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ अपराध कायम किया है।

गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी में छात्र निष्कासन पर बवाल, एनएसयूआई का जोरदार प्रदर्शन, कई पर एफआईआर दर्ज

बिलासपुर(समय दर्शन)। गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में एक छात्र के निष्कासन को लेकर मामला गरमा गया है। शुक्रवार रात नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफइंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने कुलपति निवास के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान वहां जमकर नारेबाजी और हंगामा हुआ। प्रदर्शन में कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि ढाई साल बाद सरकार बदलेगी, और उस वक्त गुजरात से कुलपति को कब्र से निकालकर लाया जाएगा। वहीं, कुछ एनएसयूआई नेताओं ने आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा कि कुलपति को चड्डी पहनाकर घुमाया जाएगा।

घटनाक्रम के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने कोनी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एनएसयूआई से जुड़े नीरज पांडे, लक्की मिश्रा, सुदीप शास्त्री, सार्थक मिश्रा सहित 30 अज्ञात प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर दर्ज कर ली है। एनएसयूआई नेताओं का कहना है कि यदि निष्कासित छात्र सुदीप शास्त्री की यूनिवर्सिटी में वापसी नहीं हुई तो आने वाले 4 नवंबर को विश्वविद्यालय में प्रदेश का सबसे बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय में चल रही भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप भी लगाए हैं और जांच की मांग की है। यह मामला अब सियासी रंग लेता दिख रहा है, और आने वाले दिनों में इसका असर विश्वविद्यालय की गतिविधियों और प्रशासन पर पड़ सकता है।

कोई नक्सली राजमिस्त्री बनेगा तो कोई बनेगा उद्यमी

जगदलपुर (समय दर्शन)। संभागायुक्त डोमन सिंह ने शनिवार को आड़ावाल स्थित नक्सल पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। यहां कुल 69 नक्सल आत्मसमर्पित लाभार्थी प्रशिक्षणरत हैं, जिनमें 23 महिलाओं एवं 12 पुरुषों को बकरी पालन के साथ-साथ फिनाइल एवं डिटर्जेंट निर्माण का अतिरिक्त प्रशिक्षण आरएसईटीआई के माध्यम से प्रदान किया जा रहा है। वहीं 34 पुरुष लाभार्थी ग्रामीण राजमिस्त्री के रूप में प्रशिक्षण आरएसईटीआई के माध्यम से प्राप्त कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर द्वारा प्रशिक्षण की प्रगति, आवासीय सुविधा, भोजन, स्वास्थ्य परीक्षण, एवं सुरक्षा व्यवस्था सहित सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश एवं सुधार संबंधी सुझाव दिए गए ताकि आत्मसमर्पित लाभार्थियों के पुनर्वास एवं आजीविका संवर्धन हेतु संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।बस्तर जिले के पुनर्वास केंद्र का काम नवा बाट रखा गया है जो गोंडी शब्द है। इसका हिंदी में अर्थ नई राह है। यह इस पुनर्वास केंद्र की भावना को दर्शाता है कि आत्मसमर्पित व्यक्ति समाज की मुख्यधारा में जुड़कर सम्मानजनक जीवन की नई राह पर आगे बढ़ें।

ग्राम बुंदेली में रजत जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन

एमसीबी (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में रजत जयंती महोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में 17 अक्टूबर को विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम बुंदेली में विकासखण्ड स्तरीय रजत जयंती महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य गठन के बाद पिछले 25 वर्षों में हुई उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाना और भविष्य के छत्तीसगढ़ निर्माण में आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करना रहा। आयोजन में ग्रामीणजन, किसान, महिलाएँ एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विभाग द्वारा उप संचालक कृषि, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के मार्गदर्शन में किया गया।

विभागीय अधिकारियों ने कृषकों को राज्य एवं केन्द्र पोषित कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी दी तथा कृषि से संबंधित समसामयिक विषयों पर चर्चा की। साथ ही आधुनिक कृषि तकनीकों एवं उत्पादन बढ़ाने के उपायों की जानकारी भी साझा की गई। महोत्सव में समवर्गीय विभागों - जनपद पंचायत, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों ने भी अपनी-अपनी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

अब तक प्रकरण में कुल 10 आरोपियों को किया जा चुका है गिरफ्तार

साईंस कॉलेज छात्रावास में घूसकर बलवा करने वाले फरार 04 आरोपी गिरफ्तार

थाना सरस्वती नगर क्षेत्रांतर्गत स्थित साईंस कॉलेज छात्रावास में दिये थे घटना को अंजाम।

छात्रों के साथ हाथ-मुक्का एवं डंडा से किये थे मारपीट।

प्रकरण में अन्य आरोपी है फरार जिनकी पतासाजी कर गिरफ्तार करने के हर संभव किये जा रहे है प्रयास।

आरोपियों के विरूद्ध थाना सरस्वती नगर में अपराध क्रमांक 246/25 धारा 115(2), 191(2), 191(3), 333, 304(2) बी.एन.एस. का अपराध किया गया है पंजीबद्ध।

रायपुर विवरण - प्रार्थी उमादास मुखर्जी ने थाना सरस्वती नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह साईंस कॉलेज हॉस्टल में रहकर साईंस कॉलेज में बी.एस.सी. अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहा है। दिनांक 12.10.2025 को रात्रि करीबन 11.45 बजे छात्रावास में 50-60 व्यक्तियों का एक गैंग छात्रावास के अंदर प्रवेश कर प्रार्थी सहित अन्य छात्रावासियों के साथ हाथ-मुक्का, डंडा, चाकू से मारपीट करने लगे तथा छात्रों का सामान चोरी कर फरार हो गये थे। जिस पर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध थाना सरस्वती नगर में अपराध क्रमांक 246/25 धारा 115(2), 191(2), 191(3), 333, 304(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना सरस्वती नगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकरण में आरोपी 01. मोनेश उर्फ मोन्टू केसरकर, 02. धर्मांशु सोनपिपरे, 03. गेबिन यादव, 04. प्रतीक यादव, 05. आकाश गुप्ता उर्फ बाबू एवं 06. थानेश्वर उर्फ सोनू साहू को गिरफ्तार कर उनके विरूद्ध कार्यवाही किया जा चुका है।

प्रकरण में संलिप्त अन्य आरोपी घटना के पश्चात् से लगातार फरार चल रहे थे जिस पर टीम के सदस्यों प्रकरण में फरार आरोपियों के छिपने के हर संभावित ठिकानों में लगातार रेड कार्यवाही कर उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास किये जा रहे थे। इसी दौरान टीम के सदस्यों को प्रकरण में संलिप्त आरोपी रोशन वागिरे, अरबान खान उर्फ टिन्टू, मनीष तिवारी एवं हाफिज़ुद्दीन उर्फ फैज के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुआ जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा चारों की पतासाजी कर उन्हें गिरफ्तार कर उनके विरूद्ध कार्यवाही किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी- 01. रोशन वागिरे पिता किशोर वागिरे उम्र 19 साल सा. शिव मंदिर के पास कोटा महंत तालाब थाना सरस्वती नगर जिला रायपुर।

02. अरबान खान उर्फ टिन्टू पिता अल्फाज खान उम्र 18 साल सा. मंहत तालाब कृष्णा नगर कोटा थाना सरस्वती नगर जिला रायपुर।

03. मनीष तिवारी पिता स्व. विनोद कुमार तिवारी उम्र 20 साल सा. कृष्णा नगर कोटा थाना सरस्वती नगर जिला रायपुर।

04. हाफिज़ुद्दीन उर्फ फैज पिता भामीमुद्दीन उम्र 19 साल सा. संजय नगर गौसिया चौक थाना टिकरापारा जिला रायपुर।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की पत्रकारों से चर्चा

बस्तर में नक्सलवाद सिमट रहा तो यह कांग्रेस की नीति का परिणाम है

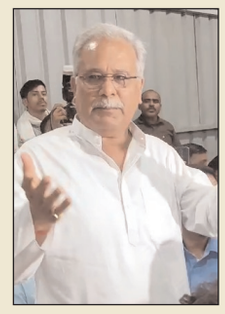

रायपुर :- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि आज सरकार ने फिर समर्पण इवेंट किया है। आज बस्तर में नक्सलवाद पीछे जा रहा है तो इसके पीछे कांग्रेस की नीतियां है। बस्तर में हमने विश्वास, विकास, सुरक्षा के मंत्र को लेकर पांच सालों तक जो काम किया उसी का परिणाम है आज सफलता मिल रही है । हमारी सरकार ने दूरस्थ एरिया में सड़के बनवाई, 15 सालों की भाजपा सरकार में जहां राशन नहीं पहुंच पाता था, लोगों को और फोर्स को महीनों राशन का इंतजार करना पड़ता था वहां तक सड़के बनवाई। रिमोट एरिया में सुरक्षा बलों के कैंप बनाए। सुरक्षा बलों और स्थानीय निवासियों के बीच बेहतर समझ का माहौल तैयार किया, लोगों का भरोसा सुरक्षा बलों के प्रति बढ़ा। बस्तर में बंद सैकड़ों स्कूलों को फिर से चालू किया। 65 से अधिक वनोपजो को खरीदने की व्यवस्था की, उनका वैल्यू एडिशन किया, बस्तर में डेनक्स जैसे संस्थानों की स्थापना की, अबूझमाड़ में पुल बनाया। रोजगार के साधन बनाए। हमारे प्रयासों का नतीजा था कि 2021 में ही केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अधिकृत तौर पर कहा कि बस्तर से नक्सलवाद 65 प्रतिशत कम हो गया है। कांग्रेस की सरकार के प्रयासों से बस्तर में नक्सलवाद 40 किमी के दायरे में सिमट गया था। यह सरकार तो केवल इवेंट कर रही, मुख्यमंत्री यह बताए कि 2024 के बाद उन्होंने कितने कैंप बनाए। बस्तर के लिया ऐसा क्या किया जिसे वे उपलब्धि बता सकते है। आज के पहले जितने नक्सली सरेंडर किए उनका डिटेल तो यह दे नहीं पाए। सरकार के दावे के अनुसार अभी तक दो हजार से ज्यादा नक्सली सरेंडर कर चुके है, सरकार बताए उनके द्वारा हथियार कितना जमा कराया गया? शांति की स्थापना सभी चाहते है, यह सरकार तो केवल प्रोपोगंडा कर रही। यदि आपके प्रयासों से नक्सली सरेंडर कर रहे फिर ये रोज-रोज हत्याएं कौन कर रहा? भाजपा कार्यकर्ता की चार दिन पहले हत्या हुई, सुकमा में ग्रामीण की हत्या मुखबिर बता के कर दी गई, विद्या दूत रोज मारे जा रहे। सरकार सिर्फ आत्ममुग्ध है। शराब बंदी की बात करने वाले शराब की काली कमाई बढ़ाने में लगे है प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि शराब की बिक्री बढ़ाने के लिए सरकार के आबकारी सचिव के द्वारा बार संचालको, बॉटलिंग प्लांट संचालको, शराब निर्माताओं से बैठक लेकर सुझाव मांगा गया है। भाजपा विपक्ष में थी तब शराब बंदी के लिए बड़ी-बड़ी बात करती थी। अब शराब की बिक्री बढ़ाने में लगी है। सरकार में आने के बाद शराब की खपत बढ़ाने नीति बना रही 67 नई दुकानें खोल दिए, 700 दुकानें जो पहले से चल रही थी उनको कंपोजिट कर दिया देशी में अंग्रेजी, अंग्रेजी में देशी बेचना शुरू कर दिया, मतलब 1400 काउंटर हो गया।

छत्तीसगढ़ में एमडी-एमएस की 61 नई पीजी सीटें स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र को एक और ऐतिहासिक उपलब्धि मिली है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा राज्य के विभिन्न शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में एमडी-एमएस (चिकित्सा स्नातकोत्तर) की 61 नई सीटों की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्वीकृति के साथ राज्य में शासकीय मेडिकल पीजी सीटों की संख्या 316 से बढ़कर 377 हो गई है। वहीं, निजी चिकित्सा महाविद्यालयों में कुल 186 सीटें हैं। आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा विभाग श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी ने बताया कि इन नई सीटों की स्वीकृति से राज्य के चिकित्सा शिक्षा तंत्र को नई मजबूती मिलेगी और विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ेगी। इससे प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में बेहतर विशेषज्ञ सेवाएं जनता तक पहुंच सकेंगी।

नई स्वीकृत सीटों में छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर में 21 सीटें, भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, राजनांदगांव में 7 सीटें, स्व. बलिराम कश्यप स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, जगदलपुर में 8 सीटें, स्व. लखी राम अग्रवाल स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायगढ़ में 12 सीटें तथा स्व. बिसाहू दास महंत स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, कोरबा में 13 सीटें शामिल हैं। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि, छत्तीसगढ़ में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में यह ऐतिहासिक कदम है। नई पीजी सीटों की स्वीकृति से राज्य में विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या बढ़ेगी और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं जनता तक पहुंचेंगी।

यह मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। राज्य सरकार का मानना है कि इन नई सीटों से न केवल चिकित्सा शिक्षा को बल मिलेगा, बल्कि प्रदेश के शासकीय अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण विशेषज्ञ सेवाएं और अधिक सुलभ होंगी। यह पहल स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और जनसुलभ सेवाओं की दिशा में सरकार के सतत प्रयासों को और गति प्रदान करेगी।

ट्रैन्स्पोर्टर के फर्जी दस्ता वेज बनाकर धोखाधड़ी करने वाला पूर्व कर्मचारी गिरफ्तार

रायपुर पूछ ताछ के दौरा अजय कुमार मिश्रा ने फर्जी PAN कार्ड प्रस्तुत किया एवं स्वयं को ट्रक क्रमांक CG-04-LM-2804 का स्वामी बताया अजय कुमार मिश्रा दिक्षा बंश बहादुर मिश्रा उम्र 48 वर्ष साकिन ग्राम सिंगारपुर थाना फुलपुर जिला आजमगढ़ उत्तर प्रदेश हाल आर डी ए कीलानी हीरापुर थाना कबीर नगर जिला रायपुर आरोपी अजय कुमार मिश्रा द्वारा दिखाये गये PAN कार्ड का तस्दीक किया गया जो फर्जी होना पाया गया ? आरोपी अजय कुमार मिश्रा ने पूछताछ के दौरान बताया आरोपी द्वारा ट्रक क्रमांक CG-04-LM-2804 के नंबर प्लेट का उपयोग कर ट्रांसपोर्ट चला रहा था

थाना आमानाका मे आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमाक 337/25 धारा 318(4) BNS के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया ।

विवरण - पुलिस महानिरीक्षक महोदय एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ. लाल उमेद सिंह के दिशा निर्देश पर थाना आमानाका के द्वारा तुरंत कार्यवाही करते हुए विवेचना शुरू की गई जिसपर यह जानकारी प्राप्त हुई की ट्रक क्रमांक CG-04-LM-2804 का 29.08.25 को बीहार पुलिस द्वारा 10000 रुपए का चालान किया गया था की जानकारी प्राप्त हुई । उक्त चालान की अन्य जानकारी एकत्रित करने पर ई-चालान मे आरोपी की फोटो प्राप्त हुई जीसे प्रार्थी को दिखाने पर प्रार्थी द्वारा आरोपी की पहचान अपने पूर्व कर्मचारी अजय कुमार मिश्रा के नाम से की गई जिसपर थाना आमानाका से टीम रवाना किया गया ड्रायवर अजय कुमार मिश्रा के द्वारा अपने वाहन पर ट्रक क्रमाक सीजी-04-एलएम-2804 का रजिस्ट्रेशन नंबर फर्जी तरीके से लगाकर उपयोग कर घोखधड़ी करने के सबंध में नोटिस देने पर विवेचना में मदद हेतु स्टाफ के साथ थाना आया जिसे घटना के संबंध में पुछताछ पर आरोपी द्वारा अपने ट्रक के सीज-04-एचयू-0739 पर अपने पूर्व मालिक करनदीप सिंग के रजिस्टर्ड वाहन क्रमांक सीजी 04-एलएम-2804 पर वाहन अपने वाहन में लगाकर चलाना स्वीकार किया तथा उक्त ट्रक को पेश करने पर गवाहों के समक्ष जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपी के द्वारा दूसरे वाहन का नम्बर प्लेट लगाकर छल करते हुए नम्बर प्लेट लगाया एवं वाहन के इजन एवं चेचिस नंबर पर भी स्वयं छेड़छाड़ किया गया है। आरोपी द्वारा अपनी पत्नी नीलम मिश्रा के पैन कार्ड नम्बर AOBPM2922G पर फोटो नीलम गिश्रा का पर नाम कुलजीत कौर अहलुवालिया लिखा हुआ पेश किया।

शुरू के 60 मिनट अहम , तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर फोन करें

डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर ज़िम्मेदारी और सतर्कता बरतें- रायपुर साइबर पुलिस की अपील

रायपुर। रायपुर में आयोजित नॉकआउट डिजिटल फ्रॉड कार्यक्रम के दौरान रायपुर सीएसपी पुरानी बस्ती , राजेश कुमार देवांगन ने कहा - 'युवाएं तकनीक के प्रति अधिक जागरूक हैं क्योंकि वे नई तकनीक को सबसे पहले अपनाते हैं। इनमें से अधिकांश तकनीकी युग में ही पैदा हुए हैं। जब हम किशोरावस्था में थे, तब शायद ही किसी के पास मोबाइल फोन होता था, इसलिए डिजिटल ठगी की संभावना लगभग न के बराबर थी। अधिकांश धोखाधडयिाँ तब होती हैं जब हम जल्दबाज़ी में या परिणामों पर विचार किए बिना कार्य करते हैं। यदि हम सिर्फ पाँच मिनट रुककर सोचें, तो हम ठगे जाने से बच सकते हैं। किसी भी अनजान व्यक्ति या अपने संपर्क सूची में न होनेवाले व्यक्ति से आए फ्रेंड-रिक्वेस्ट स्वीकार करने से पहले अवश्य सोचें। 'उन्होंने आगे कहा — 'सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और डिजिटल रूप से जागरूक बनें। किसी भी आपातस्थिति में तुरंत पुलिस या साइबर सेल हेल्पलाइन से संपर्क करें।'

विदित हो कि भारत की निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी, बजाज फाइनेंस लिमिटेड, जो बजाज फिनसर्व का हिस्सा है ने रायपुर में नॉक आउट डिजिटल फ्रॉड नामक साइबर फ्रॉड जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य डिजिटल यूज़र्स को ऑनलाइन धोखाधड़ी के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी देना और अपने वित्तीय लेन-देन को सुरक्षित रखने के उपायों से अवगत कराना है।

नॉक आउटडिजिटल फ्रॉड कार्यक्रम, भारतीय रिज़र्व बैंक की वर्ष 2024 की एनबीएफसी के लिए जारी धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन से संबंधित दिशा निर्देशों के अनुरूप है, जिनमें प्रारंभिक पहचान, कर्मचारियों की जवाबदेही और जनसहभागिता पर विशेष ज़ोर दिया गया है ताकि डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र सभी के लिए अधिक सुरक्षित बनाया जा सके।

यह कार्यक्रम नागरिकों का ध्यान उन आम वित्तीय धोखाधडयिों की ओर आकर्षित करने पर केंद्रित है, जिन्हें ठगों द्वारा किया जाता है — जैसे कि फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट, व्हाट्सऐप ग्रप्स और वित्तीय कंपनियों की नकल करने वाली वेबसाइटें, जो झूठा दावा करती हैं कि वे उन कंपनियों से जुड़ी हैं या उनके कर्मचारियों का रूप धारण करती हैं।

सीएसपी पुरानी बस्ती , राजेश कुमार देवांगन ने आगे कहा कि - आज की युवा पीढ़ी तकनीक को सबसे पहले अपनाती है, क्योंकि वे डिजिटल युग में पैदा हुए हैं। हमारे समय में तो मोबाइल भी बहुत कम लोगों के पास होता था, इसलिए डिजिटल फ्रॉड जैसी चीज़ें होती ही नहीं थीं। आज ज्यादातर फ्रॉड इसलिए होते हैं क्योंकि हम बिना सोचे-समझे, जल्दबाज़ी में कदम उठा लेते हैं। अगर हम सिर्फ पाँच मिनट रुकें और सोचें, तो अधिकतर धोखाधड़ी से बच सकते हैं। किसी अनजान व्यक्ति की फ्रेंड रिक्वेस्ट या लिंक स्वीकार करने से पहले ज़रूर सोचें। उन्होंने आगे कहा, सतर्क रहें, सुरक्षित रहें, और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस या साइबर सेल हेल्पलाइन से संपर्क करें। बजाज फाइनेंस लिमिटेड के प्रवक्ता ने इस अवसर पर कहा, हमारे उपभोक्ताओं की वित्तीय सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है। हम लगातार ऑनलाइन और ऑफ लाइन माध्यमों से, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और जमीनी कार्यक्रमों के ज़रिए लोगों को साइबर-सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

भूपेश बोले: नक्सल आत्मसमर्पण से मिली संतुष्टि, भाजपा सरकार ने अपनाई हमारी नीति

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने बस्तर में 208 नक्सलियों के आत्मसमर्पण पर राज्य सरकार और सुरक्षा बलों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि उन्हें संतोष है कि मौजूदा भाजपा सरकार कांग्रेस की विश्वास-विकास-सुरक्षा नीति को अपनाकर आगे बढ़ रही है।

भूपेश बघेल ने कहा, आज बस्तर में नक्सलियों के बड़े पैमाने पर आत्मसमर्पण से यह स्पष्ट है कि यह राष्ट्रीय लड़ाई अपने अंत की ओर बढ़ रही है। सरकार और सुरक्षा बलों को बधाई।

पूर्व मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि 2018 में कांग्रेस सरकार बनने के बाद पहली बार नक्सल उन्मूलन नीति बनाई गई, कैंप खुले, सड़कें बनीं और शिक्षा संस्थान फिर से शुरू हुए। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सहयोग से इस चुनौती को राष्ट्रीय स्तर पर लिया गया।

बघेल ने कहा कि पूर्व की भाजपा सरकार (2003-2018) माओवाद के खिलाफ अनिच्छुक थी, जैसा कि सुरक्षा सलाहकार केपीएस गिल ने भी कहा था।

गौरतलब है कि शुक्रवार को जगदलपुर में 208 नक्सलियों ने हथियार डाल दिए, जिनमें 110 महिलाएं और 98 पुरुष शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले शीर्ष माओवादी नेताओं में रूपेश उर्फ सतीश, भास्कर उर्फ राजमन मंडावी, रनिता, राजू सलाम और धन्नू वेट्टी उर्फ संटू शामिल हैं। इन नक्सलियों ने 153 हथियार, जिनमें 19 एके-47 राइफलें और 17 एसएलआर शामिल हैं, पुलिस को सौंपे।

आदर्श विद्यालय की शुभी शुक्ला ने शूटिंग प्रतियोगिता में प्राप्त किया प्रथम स्थान

रायपुर। 3 सीजी एयर स्क्वॉड्रन एनसीसी द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी (2025-26) माना कैंप रायपुर में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (CATC) का आयोजन 7 से 16 अक्टूबर तक किया गया। इस शिविर में कैडेट्स के लिए विविध प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन्हीं गतिविधियों में आयोजित निशानेबाजी (शूटिंग) प्रतियोगिता में रायपुर के प्रतिष्ठित संस्थान आदर्श विद्यालय, मोवा की कैडेट शुभी शुक्ला ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 40 में से 36 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। उनके इस शानदार प्रदर्शन पर ग्रुप कमांडर डी. के. पात्रा एवं विंग कमांडर सी. ओ. विवेक साहू ने उन्हें स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। शुभी की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार सहित पूरे शहर में हर्ष का माहौल है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्श समिति (DLCC) की हुई बैठक

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह की अध्यक्षता में रेडक्रॉस सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्श समिति (छ्रस्ष्टष्ट) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय रिज़र्व बैंक से नवीन कुमार तिवारी, नाबार्ड से पंकजयेवले, अग्रणी जिला प्रबंधक मोहम्मद मोफीज, जिले के सभी बैंकों के जिला समन्वयक एवं शासन विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, इंटरप्राईजेस फाइनेंस, पीएमईजीपी , प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड अप इंडिया, पीएम स्वनिधि, पीएम किसान क्रेडिट कार्ड, पीएमएवाय, अटल पेंशन योजना आदि की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ सिंह ने सभी बैंकों को निर्देशित किया कि वे लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु विशेष अभियान चलाएं तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सभी बैंकों को उनके प्राथमिकता क्षेत्र के सभी ऋण, एवं कमजोर क्षेत्र के ऋण को न्यूनतम मानक स्तर पर लाने हेतु निर्देशित किया। बैठक में बैंकों द्वारा ऋण वितरण, वित्तीय समावेशन, एनपीए की स्थिति तथा हाल ही में आयोजित विशेष क्रेडिट कैम्पों की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर ने जिला प्रशासन एवं बैंक समन्वय के माध्यम से अधिकतम पात्र लाभार्थियों तक वित्तीय सेवाएं पहुँचाने के निर्देश दिए।

संपादकीय

चाहिए सतर्क दृष्टि

ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ वॉर में भारत के प्रति कोई नरमी नहीं बरती है। क्या वार्ता के अगले चरण में वह ऐसा करेगा? या भारत अपनी 'लक्ष्मण रेखाओं' एवं विदेश नीति संबंधी संप्रभुता पर समझौता करने पर राजी हो जाएगा? अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के अगले दौर के लिए भारतीय दल वॉशिंगटन पहुंच रहा है, तो उसके सामने वही सवाल और चुनौतियां हैं, जिनकी वजह से पिछले पांच दौर की वार्ताओँ में बात आगे नहीं बढ़ी। सवाल है कि क्या भारत व्यापार के साथ-साथ भू-राजनीति संबंधी उन अमेरिकी मांगों पर राजी होगा, जिन्हें डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन टैरिफ वॉर के जरिए पूरा कराना चाहता है? ट्रंप ने यह जताने में कोई कोताही नहीं बरती है कि आयात शुल्क को वे ऐसा हथियार मानते हैं, जिसके उपयोग से वे अपने सारे मकसद साध सकते हैं। भारत खुद उनके इस नजरिए का शिकार बना है। रूस से कच्चा तेल खरीदने के दंड के तौर पर उन्होंने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया हुआ है। इस तरह ट्रंप ने भारतीय विदेश नीति को अमेरिकी हितों के मुताबिक ढालने का दबाव बना रखा है। व्यापार संबंध में उनका प्रशासन भारत की 'लक्ष्मण रेखाओं' (कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी कंपनियों के लिए ना खोलने के निर्णय) को बिल्कुल तव्वजो देने के मूड में नहीं है। एक बड़ी समस्या ट्रंप का अस्थिर स्वभाव भी है। चीन के मामले में जाहिर हुआ कि जो सहमतियां बनीं, उनके खिलाफ जाते हुए ट्रंप प्रशासन ने कुछ ऐसे कदम उठाए, जिससे बात फिर जहां की तहां पहुंच गई। तब चीन ने रेयर अर्थ सामग्रियों के निर्यात को नियंत्रित करने का एलान किया, जिसके परिणामों को समझते हुए अब फिर ट्रंप प्रशासन ने रुख नरम किया है। बहरहाल, रेयर अर्थ जैसे कुछ क्षेत्रों में अपने लगभग एकाधिकार के कारण चीन जवाबी कदम उठाने की स्थिति में है। भारत के साथ यह सुविधा नहीं है। भू-राजनीतिक मामलों में बेशक भारत के साथ अमेरिका की अपेक्षाकृत अधिक निकटता है, फिर भी ट्रंप प्रशासन ने व्यापार में भारत के प्रति कोई रियायत नहीं बरती है। तो मुद्दा है कि क्या अब वह ऐसा करेगा? या भारत अपनी 'लक्ष्मण रेखाओं' एवं विदेश नीति संबंधी संप्रभुता पर समझौता करेगा? सिर्फ इन दो स्थितियों में ही बात आगे बढ़ सकती है। वरना, संभावना है कि वार्ता के छठे दौर का अंजाम भी पहले जैसा ही रहेगा।

थोपे गए सन्नाटे का नाम शांति

श्रुति व्यास

शांति, शांति तब तक ही रहती है जब तक वह स्वीकार्य है। जैसे ही सत्ता भारी पड़ने लगती है—प्रभावशाली, स्वार्थी और आत्ममुग्ध—शांति दरकने लगती है, टूटने लगती है। बेशक, शुरुआत के लिए यह एक उदास वाक्य है, लेकिन मौजूदा समय की सच्चाई यही है। पश्चिम एशिया में जो शांति आई है, वह दो वर्षों की लगातार बमबारी के बाद आई है, ऐसे वर्ष जिन्होंने एक पीढ़ी को मिटा दिया और दूसरी को अपंग बना दिया। क्योंकि यह शांति भी पहली बार नहीं आई। कई बार पहले भी आई है, युद्धविराम के वस्त्रों में, कूटनीतिक भाषा में सजी-संवरी, और हर बार बिखर गई। इसलिए यह नई शांति आरंभ से ज़्यादा मरीचिका लगती है, एक क्षितिज जिसे हम लगातार नापते हैं, पर पहुँच नहीं पाते। और सच्चाई यह है कि यह शांति बनाई नहीं गई, मनवाई गई है—अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक दबाव और धमकियों से। यह मेल-मिलाप नहीं, प्रबंध-जुगाड़ है। एक शांति जो गले नहीं लगाई गई, थोप दी गई। इस पल को समझने का एक ही तरीका है—यथार्थवाद (ऋद्धड्डद्यद्बह्यद्व) के सिद्धांत से, वही सिद्धांत जो आज की जनलुभावन और वैचारिक रूप से खोखली दुनिया को अभी भी समझा सकता है। यथार्थवादी हमेशा कहते आए हैं—युद्ध के बाद की शांति नैतिक नहीं होती, रणनीतिक होती है। शांति वहीं टिकती है जहाँ शक्ति संतुलित रहती है; जहाँ कोई पक्ष इतना ताक़तवर नहीं कि दूसरे को कुचल दे। युद्ध मेल-मिलाप से नहीं, थकावट से खत्म होते हैं। इस दृष्टि से, शांति एक ठहराव है, समाधान नहीं—नकारात्मक शांति, यानी बस खुले युद्ध का अभाव। शीतयुद्ध की शांति भी यही थी—अमेरिका और सोवियत संघ के बीच संतुलित भय का संतुलन। दुनिया शांत दिखती थी, पर सुरक्षित नहीं थी। उसी तर्क से देखें तो ट्रंप की यह शांति पूरी तरह फिट बैठती है, थकावट की उपज, समझ की नहीं; दबाव की देन, संवाद की नहीं। यह स्थिरता नहीं, सन्नाटा सुरक्षित करती है। और फिर आता है दृश्य का यथार्थवाद, जहाँ शांति अब विचार नहीं, प्रदर्शन है। इतिहास जब इस दौर को पढ़ेगा, तो पाएगा कि यह यथार्थवाद का नया संस्करण था—जो आदर्श या शक्ति पर नहीं, बल्कि ऑप्टिक्स पर टिका था। एक ऐसी कूटनीति जो ह्लद्गद्दयह्य और द्दल्ड्डद्व के लिए बनाई गई। पश्चिम एशिया ने पहले भी कई बार ऐसी भोरें देखी हैं। हर दशक अपनी नई सुबह लेकर आता है, पहले उसका उत्सव होता है, फिर विश्वासघात। 1978 के कैंप डेविड समझौते को ऐतिहासिक सफलता कहा गया था—अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक ही मेज़ पर मिस्र और इज़राइल के नेताओं को बैठाया था। अनवर सादात और मेनाखेम बेगिन ने हाथ मिलाया, नोबेल शांति पुरस्कार जीता, और सादात ने कुछ ही साल बाद जान गंवाई। मिस्र को अमेरिकी सहायता और कूटनीतिक प्रतिष्ठा मिली, पर अरब जगत में अपना स्थान खो दिया। पंद्रह साल बाद आए ओस्लो समझौते—व्हाइट हाउस के लॉन पर, कैमरों की रोशनी में, यित्ज़ाक राबिन और यासिर अराफ़ात मुस्कुराते हुए, बीच में बिल क्लिंटन इतिहास के गवाह बनकर। तालियाँ बजीं, नोबेल पुरस्कार फिर मिला, लेकिन शांति टिक नहीं पाई। राबिन की हत्या हुई, ओस्लो दूसरी इंतिफ़ादा में बदल गया, और दुनिया ने एक बार फिर सीखा कि हस्ताक्षर गोलियों से नहीं बचते। पश्चिम एशिया में शांति अक्सर स्थायित्व से पहले पुरस्कार जीतती है। हर युद्धविराम एक नाटक की तरह शुरू होता है—उदात्त, प्रसारित, पर अल्पकालिक। इसीलिए आज की नई शांति भी इतिहास बनेगी नहीं—बस इतिहास दोहराएगी, एक और झिलमिलाता क्षितिज, जिसे छूना असंभव है। और इस बार भी सब कुछ उसी पैटर्न पर है—सिर्फ़ एक नए युग की रोशनी में, जहाँ दृश्य ही संदेश है। डोनाल्ड ट्रंप के लिए तो यह सब एक अभियान है—नोबेल पुरस्कार की ओर उनका आत्मघोषित मार्च। उन्होंने राजनीतिक और आर्थिक भाषा में स्पष्ट कर दिया था कि इज़राइल का युद्ध बहुत लंबा चल चुका है। हमास से उनका संदेश और कठोर था—संधि मानो, नहीं तो सामना करो catastrophic catastrophe का। यह कूटनीति नहीं, अल्टीमेटम थी। 13 अक्टूबर को राष्ट्रपति ट्रंप इज़राइल पहुँचे, ठीक उसी समय जब ग़ाज़ा से अंतिम बंधक छोड़े जा रहे थे।

संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसर माओवाद का समापन

मृत्युंजय दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में गृहमंत्री अमित शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बने माओवाद को मार्च 2026 तक समाप्त करने का जो संकल्प लिया है वह अब सिद्धि की ओर अग्रसर है। देश का एक बहुत बड़ा भू भाग जो विकास की मुख्यधारा से अलग था अब शेष भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तत्पर है। माओवाद का अंत गृहंमत्री अमित शाह के संकल्प व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास मन्त्र से ही संभव हो सका है।

आज छत्तीसगढ़ के नक्सवलादी आतंकवाद के लिए कुख्यात बस्तर में तिरंगा फहरा रहा है और नक्सलवादियों के गढ़ में गृहमंत्री अमित शाह की जनसभाएं हो रही हैं। गृहमंत्री नक्सलवादियों को स्पष्ट संदेश देते हैं कि, माओवादियों आपके पास अब दो ही विकल्प बचे हैं या तो समर्पण कर दें या फिर एनकाउंटर के लिए तैयार रहें। इस सख्ती का ही असर है कि 17 अक्टूबर 2025 को छत्तीसगढ़ में एक साथ 210 माओवादियों ने समर्पण किया है।

उधर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के समक्ष छह करोड़ रुपए के इनामी माओवादी पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लेजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति उर्फ सोनू उर्फ अभय ने 60 साथियों सहित बंदूक छोड़कर विकास कि राह थाम ली है। इन माओवादियों ने 54 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है जिनमें सात एके 47 और नौ इंसास राइफलें है। भूपति माओवादी संगठन में सबसे प्रभावशाली रणनीतिकारों में माना जाता था और उसने लंबे समय तक महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर अभियानों का नेतृत्व किया। भूपति वही खतरनाक माओवादी आतंकवादी है जिसने छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ के 76 जवानों का नरसंहार किया था।

महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला दशकों से माओवादी गतिविधियों का केंद्र रहा है। इस क्षेत्र के शीर्ष माओवादी का समर्पण शेष बचे हुए नक्सलियों खासकर निचले स्तर के कैडर को सीधा संदेश दे रहा है कि अब जब उनका सबसे बड़ा और अनुभवी नेता हथियर डाल रहा है तो उनके पास भागने या छिपने का कोई रास्ता नहीं बचा है। इससे वे भी समर्पण करने के लिए मन बनायेंगे। यह समर्पण छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना जैसे राज्यों के लिए शांति का बड़ा संकेत है। भूपति व उसके साथियों के समर्पण करने से माओवादियों की सबसे मजबूत दीवार ढह गई है।

जनवरी 2023 में गृहमंत्री अमित शाह ने माओवाद के खिलाफ ऑपरेशन को हरी झंडी दी, उसके बाद से अब तक सुरक्षाबलों ने 312 माओवादियों को मार गिराया है। मारे गए माओवादियों में में सीपीआई माओवादी महासचिव वासव राजू समेत पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति के आठ सदस्य भी शामिल हैं। 21 जनवरी 2024 से लेकर अब तक माओवाद के खिलाफ अनेक ऑपरेशन सफलतापूर्वक चलाए जा चुके हैं, जिनमें 836 माओवादी गिरफ्तार किये गए हैं और 1639 आत्मसमपर्ण कर चुके हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में पोलित ब्यूरो और एक केंद्रीय समिति सदस्य शामिल है।

वर्ष 2010 में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह ने माओवाद को भारत की सबसे बड़ी चुनौती बताया था किंतु उस समय राजनैतिक कारणों से माओवाद के पूर्ण सफाए का कोई ब्लूप्रिंट नहीं बन पाया था। मनमोहन सरकार के कार्यकाल में माओवादी बहुत बड़ी चुनौती थे। यह लोग नेपाल के पशुपतिनाथ से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक लाल कारिडोर बनाने का सपना देख रहे थे। यह लोग भारत, भारत के संविधान और भारत कि सनातन संस्कृति से बैर रखते हैं। इनको सशक्त राष्ट्र नहीं चाहिए।

वर्ष 2013 में विभिन्न राज्यों के 126 जिलों के माओवादी हिंसा से ग्रस्त होने की रिपोर्ट केंद्र को भेजी गई थी। वर्ष 2014 में मोदी सरकार आने के बाद से मार्च 2025 तक यह संख्या 126 से घटकर केवल 18 जिलों तक सीमित रह गई है। वर्तमान में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 11 रह गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के सात जिले, झारखंड का एक जिला पश्चिम सिंहभूम, मध्यप्रदेश का एक जिला बालाघाट, महाराष्ट्र का एक जिला गढ़ चिरौली और ओडिशा का एक जिला कंधमाल शामिल है। इनमें भी अब छत्तीसगढ़ के तीन जिले बीजापुर, नाराणपुर और सुकमा ही अति माओवादी प्रभावित बचे हैं।

वर्ष 2014 के पूर्व माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर तिरंगा फहराना अपराध माना जाता था, गरीबों के लिए सरकारी सहायता नहीं पहुच पाती थी और दूर दराज के गांवो से किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो पाता था। अब समय बदल चुका है, छत्तीसगढ़ के माओवाद से मुक्त हुए क्षेत्रों में विकास की नई गंगा बह रही है। बस्तर जैसे कुख्यात जिले मे तिरंगा शान से फहरा रहा है। युवा बड़ी संख्या में खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों में भागीदारी कर रहे है। माओवादियों से मुक्त हुए क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का तीव्र विकास किया जा रहा है। कल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं जिससे वहां की जनता दोबारा माओवादियों के दुष्प्रचार में न फंसे। माओवाद के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत उनकी फंडिग को रोकने का काम भी किया जा है।

जैसे-जैसे माओवाद के सफाए का अभियान आगे बढ़ रहा है वैसे वैसे उसके समर्थक राजनैतिक तत्वों के पेट मे दर्द भी उठ रहा है। माओवाद के समर्थन से फल फूल रहे वामपंथी दलो ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बंद करने की अपील तक कर दी। तेलंगना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तो एक कार्यक्रम में कह दिया कि, माओवाद एक विचारधारा है जो कभी समाप्त नहीं हो सकती। सोशल मीडिया पर भी माओवादी विचारधारा के समर्थकभी यही बात कह रहे हैं कि यह विचारधारा पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकती।

माओवाद एक जहरीली, खतरनाक और नरसंहार का समर्थन करने वाली विचारधारा है जिसका अंत करने के लिए सरकार ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। सुरक्षा बल आक्रामक भी हैं और समर्पण करने वालों का स्वागत भी कर रहे हैं। पुनर्वास और पुनर्जीवन का प्रयास कर रही है। विकास को हर द्वार तक ले जा रही है जिससे आम व्यक्ति नक्सल के लाल आतंक के भय को भूल कर आगे बढ़ सके।

मोदी का हनुमान क्षण : बाधाओं से भरी दुनिया में भारत की लंबी छलांग

हरदीप एस. पुरी

जब पूरे भारत में दीप जलते हैं, तो रामायण का एक अमर दृश्य आज के समय से संवाद करता है। हनुमान जी अपने बल पर संदेह करते हुए सागर के किनारे खड़े हैं, जब तक कि जाम्बवंत उन्हें यह याद नहीं दिलाते कि वह ताकत तो पहले से ही उनके भीतर है। उसके बाद जो छलांग लगती है, वह कोई चमत्कार नहीं बल्कि आत्मविश्वास का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यही आत्मविश्वास भारत की अर्थव्यवस्था में जगाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि भारत अपनी भीतरी शक्ति के सहारे वैश्विक चुनौतियों को पार कर सके। जैसे-जैसे दुनिया नई वीजा बाधाओं और शुल्कों के साथ सिमट रही है, तब मोदी के नेतृत्व में भारत अपने आत्मविश्वास को दुनिया के सामने ला रहा है। भारत विपरीत परिस्थितियों को आगे बढ़ने की ताकत में बदल रहा है।

हाल के महीनों में, अमेरिका ने नए एच-1बी वीज़ा आवेदनों पर 1,00,000 डॉलर की फ़ीस और ब्रांडेड व पेटेंट वाली दवाओं के आयात पर 100त्न शुल्क लगाया है। इन कदमों को रोज़गार सुरक्षा के नाम पर लिया गया बताया गया, लेकिन इसके पीछे एक गहरी चिंता छिपी है। यह है विकसित देशों में बढ़ता संरक्षणवाद और जनसंख्या से जुड़ी असुरक्षा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने इसका जवाब तीन ऐसे स्तंभों को मज़बूत बनाकर दिया है, जिन्हें कोई भी शुल्क प्रभावित नहीं कर सकता- पैमाना (स्केल), कौशल (स्किल) और आत्मनिर्भरता (सेल्फ रिलायंस)।

दुनिया से भारत का अंतर बहुत साफ दिखाई देता है। चीन की आबादी तेज़ी से बूढ़ी हो रही है। वहां की औसत आयु अब 40 साल से ज़्यादा हो गई है, जबकि भारत में यह 29 साल से कम है। हमारे दो-तिहाई लोग 35 साल से कम उम्र के हैं। इस युवा ऊर्जा को जब कौशल, शिक्षा और उद्यमिता के ज़रिए सही दिशा दी जाती है तो वो भारत को विश्व अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बनाती है। जब वैश्विक संस्थाएं बताती हैं कि पिछले साल दुनिया की कुल आर्थिक वृद्धि में भारत का योगदान 16त्न से ज़्यादा था, तो यह कोई नारा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले एक दशक के सुधार, निवेश और बुनियादी ढांचे के निर्माण का परिणाम है।

हाल के आंकड़े इस रफ्तार को और पुख्ता करते हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की जीडीपी अनुमान को बढ़ाकर 6.8त्न किया है। इसके पीछे कारण बताए गए हैं- मज़बूत घरेलू मांग, स्थिर निवेश प्रवाह और अच्छे मानसून की उम्मीद। सितंबर में जीएसटी संग्रह 1.89 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह लगातार नौवां महीना है जब संग्रह 1.8 लाख करोड़ रु. से ज़्यादा रहा। यह दर्शाता है कि देश में खपत बढ़ रही है और टैक्स का दायरा भी फैल रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो लगभग 11 महीनों के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। वहीं जून तिमाही में विदेशी धन प्रेषण 33.2 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की तुलना में काफी अधिक है। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 57.7 और सर्विस सेक्टर पीएमआई 60.9 पर स्थिर रहा, जो यह फिर साबित करता है कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह सकारात्मक रुझान बाज़ारों और सड़कों दोनों पर दिखाई दे रहा है। इस दशहरा सीज़न में खुदरा और ई-कॉमर्स बिक्री अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। उद्योग संगठनों जैसे कैट और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार बिक्री 3.7 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई, जो पिछले साल से लगभग 15त्न ज़्यादा है। सिर्फ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर ही त्योहारों के पहले पंद्रह दिनों में 90,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का कारोबार हुआ। सबसे ज़्यादा मांग ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोना और कपड़ों में देखी गई। अब उम्मीद है कि दीवाली इस बार सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ देगी, जो न केवल उपभोक्ता विश्वास को दिखाता है, बल्कि सरकार के औपचारिक ऋण, डिजिटल भुगतान और ग्रामीण क्रय शक्ति बढ़ाने के लगातार प्रयासों की सफलता को भी दर्शाता है। भारत की आर्थिक नींव अब मज़बूत हो चुकी है। पिछले दस वर्षों में भारत की जीडीपी लगभग दोगुनी हो गई है और अब वह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। जल्द ही जर्मनी को पीछे छोड़ने की उम्मीद है। विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर से अधिक है। मुद्रास्फीति नियंत्रित है, और वित्तीय अनुशासन के साथ सरकार ने रिकॉर्ड सार्वजनिक पूंजीगत निवेश किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में, भारत का वस्तुओं और सेवाओं का समग्र निर्यात लगभग 825 बिलियन अमरीकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि अकेले व्यापारिक निर्यात लगभग 437 बिलियन अमरीकी डॉलर था। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अब 220 गीगावॉट से अधिक हो गई है।

नरक चतुर्दशी पर दीपदान से होता है आध्यात्मिक जागरण

प्रज्ञा पांडेय

दीवाली से पहले छोटी दीवाली आती है, इसे नरक चतुर्दशी और रूप चौदस भी कहा जाता है। साथ ही कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी तिथि को नरक चतुर्दशी के नाम से भी जाना जाता है। नरक चतुर्दशी पर सुबह के मुहूर्त में अभ्यंग स्नान करने का विधान है, इस दिन स्नान व दीपदान से पाप मिटते हैं और सौभाग्य बढ़ता है तो आइए हम आपको नरक चतुर्दशी व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

जानें नरक चतुर्दशी के बारे में - दीवाली से एक दिन पहले मनाई जाने वाली नरक चतुर्दशी को हिंदू धर्म में बहुत पवित्र और शुभ तिथि माना गया है। इसे रूप चौदस या छोटी दीवाली भी कहा जाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर नामक राक्षस का वध किया था और उसके बंधन में फंसी 16 हजार महिलाओं को मुक्त कराया था। इस साल नरक चतुर्दशी 19 अक्टूबर को मनाई जाएगी। इसी कारण यह दिन अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है।

इसे भी पढ़ें: ह्डड्डल्ड्डद्म ष्द्धड्डह्वह्लस्रड्डह्यद्धद्व 2025: यमराज के लिए दीपदान करने का पर्व है नरक चतुर्दशी

नरक चतुर्दशी का शुभ मुहूर्त- हिन्दू पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 19 अक्टूबर 2025 को दोपहर 1 बजकर 51 मिनट से शुरू होगी और 20 अक्टूबर 2025 को दोपहर 3 बजकर 44 मिनट तक रहेगी। इस आधार पर नरक चतुर्दशी का पर्व 19 अक्टूबर (रविवार) को मनाया जाएगा, जबकि अभ्यंग स्नान का शुभ मुहूर्त 20 अक्टूबर (सोमवार) की सुबह रहेगा।

नरक चतुर्दशी का धार्मिक महत्व- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नरक चतुर्दशी पर स्नान करने से सभी पाप मिट जाते हैं और शरीर व मन शुद्ध होते हैं। इस दिन यमराज के लिए दीपदान करना बहुत शुभ माना जाता है। शाम के समय 14 दीए जलाने की परंपरा है। इनमें से एक सरसों के तेल का दीपक यमराज के नाम से जलाया जाता है, जबकि बाकी 13

दीपक घी के होते हैं। इससे अकाल मृत्यु का भय समाप्त होता है। नरक चतुर्दशी पर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने से जीवन में सुख, समृद्धि और मानसिक शांति आती है। यह दिन न केवल शारीरिक शुद्धि का प्रतीक है बल्कि आध्यात्मिक जागरण का भी अवसर देता है।

सर्वार्थ सिद्धि योग में मनायी जाएगी नरक चतुर्दशी- नरक चतुर्दशी को पूरे दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बना हुआ है। सर्वार्थ सिद्धि योग में किए गए कार्य सफल होते हैं और यह एक शुभ योग है। नरक चतुर्दशी पर अमृत सिद्धि योग शाम को 5 बजकर 49 मिनट से अगले दिन 20 अक्टूबर को सुबह 06 बजकर 25 मिनट तक है। उस दिन इंद्र योग भी प्रात:काल से लेकर देर रात 02:05 ए एम तक है। उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र प्रात:काल से लेकर शाम 05 बजकर 49 मिनट तक है, उसके बाद से हस्त नक्षत्र है।

चौमुखी दीया जलाएं, मिलेगा लाभ - पंडितों के अनुसार नरक चतुर्दशी की रात मिट्टी का चौमुखी दीपक जलाना अत्यंत शुभ माना गया है। इसमें सरसों का तेल डालकर चार दिशाओं की ओर चार बत्तियां लगाई जाती हैं। इस दीपक को 'यम दीप' कहा जाता है, जो मृत्यु के देवता यमराज को समर्पित होता है। इसे घर के मुख्य द्वार के बाहर दक्षिण दिशा की ओर रखकर जलाया जाता है।

दीपक जलाते समय करें इन मंत्रों का जाप

मृत्युना पाशदण्डाभ्यां कालेन च मया सह, या त्रयोदश्यां दीपदानात् सूर्यज: प्रीयतामिति॥

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार घर के सबसे वरिष्ठ सदस्य को यह दीपक जलाना चाहिए और जलाने के बाद दीपक को पलटकर नहीं देखना चाहिए। उस उपाय से अकाल मृत्यु का भय समाप्त होता है और घर में सुख-शांति का वातावरण बना रहता है।

नरक चतुर्दशी पर करें मां काली की पूजा - नरक चतुर्दशी को काली चौदस भी कहा जाता है। इस दिन मां काली की पूजा करने से व्यक्ति को नकारात्मक ऊर्जा, भय और संकटों से मुक्ति मिलती है। पूजा के समय लाल गुड़हल के फूल अर्पित करें और ? क्रीं कालिकायै नम: मंत्र का जप करें। यह साधना शत्रु नाश और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्ति का माध्यम मानी जाती है।

नरक चतुर्दशी पर करें ये अचूक उपाय

1. दीपक- एक मिट्टी का चौमुखी दीपक लें। इसमें सरसों का तेल भरें और चार अलग-अलग दिशाओं की ओर मुख करके चार बत्तियां लगाएं।

2. सही समय पर जलाएं दीपक - यह दीपक शाम या रात के समय जलाया जाता है, जब घर के सभी सदस्य भोजन करके सोने की तैयारी कर रहे हों।

3.दीपदान की दिशा का भी है महत्व- दीपक को घर के बाहर मुख्य द्वार के पास दक्षिण दिशा की ओर मुख करके रखें। दक्षिण दिशा यमराज की मानी जाती है।

4.करें ये काम, मिलेगा लाभ- यह 'यम दीपक' घर का सबसे बड़ा सदस्य ही जलाता है। दीपक को रखने के बाद उसे पलटकर नहीं देखना चाहिए और घर के अंदर के सदस्यों को बाहर आकर उसे देखना नहीं चाहिए।

नरक चतुर्दशी से जुड़ी कुछ अन्य पौराणिक कथा- भगवान राम के प्रिय भक्त हनुमान जी को तो हर कोई जानता है। जब हनुमान सिर्फ एक शिशु थे, तो उन्होंने सूर्य को देखा और इसे एक अद्भुत फल समझकर इसे निगल लिया, जिससे पूरी दुनिया घोर अंधकार में डूब गई। काली चौदस के दिन सभी देवी-देवताओं ने हनुमान से सूर्य को मुक्त करने के लिए विनती की, लेकिन हनुमान नहीं माने, इसलिए भगवान इंद्र ने अपने वज्र से उन पर प्रहार किया, जो हनुमान के मुंह पर लगा और सूर्य निकल आया और फिर वहां दुनिया में फिर से प्रकाश था।

एक अन्य कथा के अनुसार राजा बलि सबसे उदार राजाओं में से एक थे और उन्होंने इसके लिए बहुत प्रसिद्धि प्राप्त की, लेकिन प्रसिद्धि उनके सिर चढ़ गई और वह बहुत अहंकारी हो गए। उसने अपने पास भिक्षा के लिए आने वाले लोगों का अपमान और अपमान करना शुरू कर दिया, इसलिए भगवान विष्णु ने उसे सबक सिखाने का फैसला किया और वामन अवतार में एक बौने के रूप में आए। जब बलि ने उससे कहा कि वह जो चाहे मांग ले तो भगवान वामन ने उसके तीन पग के बराबर भूमि मांगी। यहोवा ने पहले पग से सारी पृथ्वी को, और दूसरे पग से सारे आकाश को नाप लिया। फिर उसने बाली से पूछा कि वह अपना तीसरा कदम कहां रखे। एक विनम्र बाली ने झुककर भगवान से अपना अंतिम कदम उसके सिर पर रखने का अनुरोध किया, जिससे उसे मोक्ष प्राप्त हुआ। इसलिए इस दिन लालच को भगाने के लिए काली चौदस मनाई जाती है।

कफ बढ़ने से होते हैं 28 रोग इन चीजों से बचें

वात और पित्त के साथ शरीर में कफ का संतुलन सही होना जरूरी है। कफ के बढ़ने पर 28 प्रकार के रोग आपको घेर सकते हैं। लेकिन इनसे बचने के लिए आपको ऐसी चीजों से बचना होगा, जो कफ पैदा करती हैं या कफ को बढ़ा सकती हैं। आइए जानते हैं कौन सी चीजें कफ में न खाएं और किन चीजों का सेवन करें -

वसायुक्त चीजें

वसायुक्त चीजों का सेवन कफ बढ़ाने का काम करती हैं इसलिए जितना हो सके इनसे बचने की कोशिश करें।

दूध

दूध कफ को बढ़ाता है। अगर आपकी कफ प्रकृति है तो आपको दूध का सेवन कम करना चाहिए या फिर हल्दी के साथ इसका सेवन करें।

मांस

कफ बढ़ने पर मांस का सेवन आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए कफ होने पर मांस का सेवन करने से बचें और अगर कफ की तासीर हो तो मांस का सेवन कम से कम करें।

मक्खन

मक्खन में वसा अधिक होता है, इसलिए यह कफ बढ़ाने का काम करता है। कफ की समस्या में मक्खन या मक्खन युक्त चीजों का सेवन न करें।

पनीर

पनीर से कफ तो बनता ही है, कई लोगों को पाचन संबंधी समस्या भी हो सकती है क्योंकि कुछ लोगों को पनीर आसानी से नहीं पचता। इसलिए अतिसेवन न करें।

क्या खाएं

- सुबह या दिन के भोजन के बाद गुड़ का सेवन फायदेमंद हो सकता है। गुड़ की तासीर गर्म होती है, यह कफ को कम करने के साथ ही पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।
- तुलसी, सौंठ, अदरक और शहद जैसी चीजों का सेवन कफ को कम करने में बहुत फायदेमंद होता है, तो इन्हें किसी भी तरह से डाइट में शामिल करें।

दिमाग को स्वस्थ और मजबूत बनाना बहुत जरूरी

दिमाग बढ़ाने वाली सब्जियों से भरपूर डाइट लेने के अलावा शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, तनाव कम लेना, हाइड्रेटेड रहना और पर्याप्त नींद लेकर भी दिमाग के कामकाज में सुधार किया जा सकता है और सोचने-समझने की क्षमता को बढ़ाया जा सकता है।

दिमाग शरीर का एक मुख्य अंग है जिसका काम सोचना-समझना, याद रखना, नया सीखना आदि है। अन्य अंगों की तरह दिमाग को भी बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए कुछ पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। अगर आपको सोचने-समझने की क्षमता कम है, आपकी याददाश्त कमजोर है, या आप हमेशा विचलित रहते हैं, तो इसके सीधा सा मतलब है कि आपके दिमाग में कुछ लोचा है, जिसे ठीक करना जरूरी है। याद रहे कि तेजी से दौड़ती दुनिया में दिमाग को स्वस्थ और मजबूत बनाना बहुत जरूरी है। इत्तेफाक से रोजाना खाई जाने वाली कुछ सब्जियों में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो दिमाग को तेज करते हैं और याददाश्त को भी बढ़ाते हैं।

पत्तेदार सब्जियां

हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार पालक, केल और स्विस चार्ड जैसी पत्तेदार सब्जियां विटामिन और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होती हैं, जिनमें विटामिन के, विटामिन बी 6 और फोलेट शामिल हैं। ये पोषक तत्व मस्तिष्क के स्वास्थ्य और सोचने-समझने के लिए जरूरी हैं। इनमें ल्यूटिन और ज़ेक्सैंथिन, एंटीऑक्सिडेंट भी होते हैं जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन से बचाते हैं।

ब्रोकोली

ब्रोकोली एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर है जो मस्तिष्क को बेहतर बनाती है। यह कोलीन का एक अच्छा स्रोत है, एक पोषक तत्व जो मेमोरी बढ़ाने और सीखने की क्षमता में सुधार करता है। इसके अतिरिक्त, ब्रोकोली में सल्फोराफेन नामक एक यौगिक होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो मस्तिष्क को क्षति से बचा सकते हैं।

चुकंदर

चुकंदर नाइट्रेट से भरपूर होते हैं, जो मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने और संज्ञानात्मक कार्य में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। इनमें एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी यौगिक भी होते हैं जो दिमाग को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से बचा सकते हैं।

गाजर

गाजर बीटा-कैरोटीन का एक अच्छा स्रोत है, एक एंटीऑक्सीडेंट जो शरीर में विटामिन ए में बदल जाता जाता है। विटामिन ए मस्तिष्क के कार्य से निकटता से जुड़ा हुआ है। गाजर में अन्य एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं जो ब्रेन को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचा सकते हैं।

बेल मिर्च

बेल मिर्च विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है, एक एंटीऑक्सीडेंट जो मस्तिष्क स्वास्थ्य और संज्ञानात्मक कार्य का समर्थन करता है। इनमें विटामिन बी6 और फोलेट जैसे अन्य पोषक तत्व भी होते हैं, जो मस्तिष्क के कार्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

कद्दू

कद्दू बीटा-कैरोटीन और अन्य एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से बचा सकता है। यह मैग्नीशियम का भी एक अच्छा स्रोत है, एक मिनरल है, जो दिमाग के कामकाज को बढ़ाने के लिए जरूरी है।

टमाटर

टमाटर लाइकोपीन से भरपूर होते हैं, एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से बचा सकता है। लाइकोपीन को अल्जाइमर रोग जैसे न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के कम जोखिम से भी जोड़ा गया है।

बैंगन

बैंगन में नासुनिन नामक एक यौगिक होता है, एक एंटीऑक्सीडेंट जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन से बचा सकता है। नासुनिन को स्वस्थ मस्तिष्क समारोह और संज्ञानात्मक प्रदर्शन का समर्थन करने के लिए भी दिखाया गया है।

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय

अगर आपकी प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ गई है और आप बार-बार सर्दी, खांसी, जुकाम या बुखार से पीड़ित हो रहे हैं तो आपको जरूरत है इस खास आयुर्वेदिक चाय की। तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय तेजी से आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएगी। चलिए जानते हैं इस चाय को बनाने के लिए जरूरी सामग्री और चाय बनाने की सही विधि

सामग्री

तुलसी के सुखाए हुए पत्ते (जिन्हें छाया में रखकर सुखाया गया हो) 500 ग्राम, दालचीनी 50 ग्राम, तेजपान 100 ग्राम, ब्राह्मी बूटी 100 ग्राम, बनफशा 25 ग्राम, सौंफ 250 ग्राम, छोटी इलायची के दाने 150 ग्राम, लाल चन्दन 250 ग्राम और काली मिर्च 25 ग्राम।

विधि

सब पदार्थों को एक-एक करके इमाम दस्ते (खल बत्ते) में डालें और मोटा-मोटा कूटकर सबको मिलाकर किसी बरनी में भरकर रख लें। बस, तुलसी की चाय तैयार है। दो कप चाय के लिए यह 'तुलसी चाय' का मिश्रण (चूर्ण) आधा छोटा चम्मच भर लेना काफी है। दो कप पानी एक तपेली में डालकर गरम होने के लिए आग पर रख दें। जब पानी उबलने लगे तब तपेली नीचे उतार कर आधा छोटा चम्मच मिश्रण डालकर फौरन ढक्कन से ढंक दें। थोड़ी देर तक उबलने दें फिर छानकर कप में डाल लें। इस चाय में दूध नहीं डाला जाता। मीठा करना चाहें तो उबलने के लिए आग पर तपेली रखते समय ही उचित मात्रा में शकर डाल दें और गरम होने के लिए रख दें।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा - आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल - नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी - कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक - कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकाई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा - साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध - कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा - एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू - एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है ज्यादा बादाम खाना

बादाम खाने की सलाह उन लोगों को दी जाती है जो हर छोटी-छोटी बातों को भूल जाते हैं। शोधकर्ताओं के द्वारा किए गए शोधों में भी यह बात साबित हो चुकी है कि बादाम खाना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है।

बादाम प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स, फाइबर और गुड फैट जैसे कई पोषक तत्वों से भरा होता है। बादाम शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए जरूरी है। इसलिए सर्दियों के मौसम में चिकित्सा विशेषज्ञ लोगों को बादाम खाने को कहते हैं। बादाम खाने की सलाह हर कोई देता है लेकिन यह कितनी मात्रा में खानी चाहिए यह अच्छी तरह से कोई नहीं बता पता है। अधिक मात्रा में बादाम खाने के शारीरिक दुष्प्रभाव भी हैं। बादाम के ज्यादा सेवन से एक तरफ जहाँ वजन बढने का खतरा होता है, वहीं दूसरी तरफ इससे आंखों की रोशनी भी प्रभावित होती है। बादाम की तासीर गर्म होती है, इसके चलते लोगों का यह विचार होता है कि जितनी ज्यादा मात्रा में बादाम खायी जाए उतना ही शरीर को ज्यादा फायदा होगा। यह सोच सही नहीं है।

हमेशा भीगे हुए बादाम खाने चाहिए

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार बादाम को भिगाते ही उसमें पाए जाने वाले प्रोटीन का स्तर बढ़ जाता है। बादाम को रात भर भिगोकर खाना चाहिए, इससे उसमें मौजूद गर्म तत्व काफी हद तक खत्म हो जाते हैं। साथ ही, भिगोए बादाम में पोषक तत्व भी सूखे बादाम की तुलना में ज्यादा होते हैं। बादाम को भिगोकर खाने से इसमें मौजूद फाइबर को पचाना आसान हो जाता है।

ज्यादा मात्रा में बादाम का सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए हर दिन सिर्फ 10 से 15 बादाम ही खाने चाहिए। भीगे हुए बादाम कच्चे या भुने हुए बादाम से ज्यादा कारगर होते हैं। इसलिए प्रयास करके हमेशा बादाम भीगे हुए ही खाने चाहिए।

मोटापा बढना

बादाम में मौजूद फैट और कैलरी की शरीर में अधिकता होने से मोटापा बढ़ता है। आज की युवा पीढ़ी और बच्चे ज्यादातर फिजिकल एक्टिविटीज से दूर रहते हैं, इससे शरीर की कैलरीज आसानी से बर्न नहीं होती और शरीर में फैट जमा होने लगता है। ऐसे में ज्यादा बादाम खाना नुकसानदेह तो होगा ही, साथ ही इससे आपका वजन भी बढ़ेगा।

हो सकती हैं गंभीर समस्याएँ

बादाम का अधिक मात्रा में सेवन करने से कब्ज, पेट फूलना और लूज मोशन की समस्या हो सकती है। इसके अलावा, बादाम में मिलने वाले एक प्रोटीन से मुंह, गले और कंठ में खुजली होने के साथ ही जीभ, मुंह और होंठ में सूजन जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। वहीं, ज्यादा बादाम खाने से शरीर में मैग्नीज की मात्रा भी बढ़ जाती है जिससे ब्लड प्रेशर और एंटीबायोटिक्स की दवाइयों का असर भी कम होता है।

संक्षिप्त समाचार

भारत पर कोई हुक्म नहीं चला सकता

मॉस्को, एजेंसी। रूसी तेल की खरीद पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर रूस के उप-प्रधानमंत्री एलेक्जेंडर नोवाक ने कहा मुझे विश्वास है कि हमारे साझेदार हमारे साथ काम करना जारी रखेंगे। हमारे ऊर्जा संसाधनों की मांग है, यह आर्थिक रूप से लाभदायक और व्यावहारिक है। हमारे साझेदार भारत ने लगातार यह घोषणा की है कि कोई उन पर हुक्म नहीं चला सकता और वे अपना रास्ता स्वयं चुनेंगे। यही हमारे रिश्ते की कसौटी है। नोवाक ने यह भी कहा कि भारत ने अब तेल का भुगतान चीन की मुद्रा युआन में करना शुरू कर दिया है हालांकि अब भी ज्यादातर भुगतान रूबल में ही हो रहा है। भारत ने सितंबर में रूस से 25597 करोड़ रुपये का तेल खरीदा है जो चीन के मुकाबले कम है। वहीं, भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा भारत के साथ रूस के ऊर्जा संबंध नई दिल्ली के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप हैं। दोनों देशों में समग्र द्विपक्षीय व्यापार संबंध बेहतर हो रहे हैं। रूसी राजदूत से जब पूछा गया कि क्या ट्रंप की टिप्पणियों के मद्देनजर भारत रूसी कच्चे तेल की खरीद जारी रखेगा, तो उन्होंने कहा, इसका जवाब भारत सरकार को देना है। भारत सरकार अपने देश के राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर इस मामले से निपट रही है। अलीपोव ने यह भी कहा कि भारत के कुल हाइड्रोकार्बन आयात में रूसी कच्चे तेल का योगदान लगभग एक-तिहाई है। भारत अपने फैसले खुद लेता है- जैमीसन ग्रीरइससे पहले अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि और राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार सलाहकार जैमीसन ग्रीर ने कहा था कि भारत अपने फैसले खुद लेता और अमेरिका दूसरे देशों को यह निर्देश नहीं दे रहा है कि वे किसके साथ संबंध रखें। न्यूयॉर्क के इकोनॉमिक क्लब द्वारा आयोजित एक बातचीत के दौरान ग्रीर ने कहा था कि भारत ने हमेशा इतना रूसी तेल नहीं खरीदा है। रूस के साथ उनके हमेशा मजबूत संबंध रहे हैं, लेकिन पिछले दो या तीन वर्षों में उन्होंने न केवल उपभोग के लिए, बल्कि रिफाइनिंग और बेचने के लिए भी रूस से कम कीमत पर तेल खरीदना शुरू किया है।

भूकंप से दहला इंडोनेशिया का पापुआ, 6.7 तीव्रता दर्ज

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के पापुआ प्रांत में बृहस्पतिवार को 6.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इसका केंद्र सतह से 70 किलोमीटर की गहराई में था। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र अबेपुरा शहर से लगभग 200 किलोमीटर दूर था, जिसकी आबादी 62,000 से ज्यादा है। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने बताया कि भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई।

बांग्लादेश के विशेष दूत ने अमेरिका के भारत राजदूत सर्जियो गोर से की महत्वपूर्ण बैठक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के अंतरिम नेता मुहम्मद यूनुस के विशेष दूत लुत्फे सिद्दीकी ने बुधवार को व्हाइट हाउस के वेस्ट विंग में अमेरिका के दक्षिण और मध्य एशिया के विशेष दूत और भारत के लिए राजदूत-नामांकित सर्जियो गोर से उच्चस्तरीय बैठक की। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग ने गुरुवार को बयान में कहा कि सिद्दीकी ने बैठक में उत्कृष्ट स्वागत और सार्थक चर्चा के लिए आभार व्यक्त किया। बैठक में दोनों पक्षों ने वाणिज्य और निवेश सहयोग, आर्थिक और प्रशासनिक सुधार, और श्रम बाजार विकास सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया। साल 1953 में एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे के साथ एवरेस्ट अभियान में शामिल अंतिम सदस्य कांचा शेरपा का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। नेपाल पर्वतारोहण संघ के अध्यक्ष फुर ग्यालजे शेरपा ने बताया कि काठमांडू स्थित निवास पर कांचा शेरपा ने अंतिम सांस ली।

एक की मौत और 100 घायल; इस्तीफे से जेरी ने किया इनकार

राष्ट्रपति के खिलाफ भड़का जेन-जेड आंदोलन

लीमा, एजेंसी।
पेरू के नए राष्ट्रपति जोस जेरी ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है, जबकि देश में उनके खिलाफ चल रहे हिंसक विरोध प्रदर्शनों में एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई और करीब 100 लोग घायल हो गए हैं। यह प्रदर्शन मुख्य रूप से जेन-जेड युवाओं के नेतृत्व में हुआ, जिन्होंने राष्ट्रपति से पद छोड़ने की मांग की थी।

अधिकारियों के अनुसार, घायलों में 80 पुलिसकर्मी और 10 पत्रकार शामिल हैं। जांच एजेंसियां उस गोलीबारी की जांच कर रही हैं, जिसमें एक प्रदर्शनकारी की मौत हुई। राष्ट्रपति जेरी ने संसद का दौरा करने के बाद स्थानीय मीडिया से कहा मेरा दायित्व देश की स्थिरता बनाए रखना है। यही मेरी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता है।

लगभग एक महीने पहले शुरू हुआ यह विरोध बेहतर पेंशन और युवाओं के

लिए नौकरी के अवसरों की मांग से शुरू हुआ था। धीरे-धीरे यह भ्रष्टाचार, अपराध और सरकार की विफलताओं के खिलाफ एक बड़े जनांदोलन में बदल गया। जेरी, जो पिछले 10 वर्षों में पेरू के सातवें राष्ट्रपति हैं, ने 10 अक्टूबर को शपथ ली थी। उनके पद संभालने के तुरंत बाद प्रदर्शन और तेज़ हो गए और युवाओं ने उनके साथ-साथ सांसदों से भी इस्तीफे की मांग शुरू कर दी। प्रदर्शन के दौरान 32 वर्षीय हिप-हॉप गायक एडुआर्डो रुइज की गोली लगने से मौत हो गई। अभियोजकों ने बताया कि उन्हें सिर में गोली मारी गई थी। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में रुइज को लीमा की सड़कों पर गिरते हुए देखा गया। गवाहों का कहना है कि गोली चलाने वाला व्यक्ति प्रदर्शनकारियों से बचने की कोशिश कर रहा था, क्योंकि उसे सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी होने का संदेह था।

राष्ट्रीय लोकपाल कार्यालय के अनुसार, हिंसक झड़पों में 24 प्रदर्शनकारी और 80 पुलिसकर्मी घायल हुए। पत्रकारों पर भी हमला हुआ, जिनमें से छह को पैलेट्स से चोट लगी और चार अन्य पर पुलिस ने हमला किया। जोस जेरी ने हाल ही में अपदस्थ राष्ट्रपति डिना बोलुआर्ते की जगह ली थी, जो विरोध प्रदर्शनों को कुचलने और अपराध पर नियंत्रण में विफल रहने के कारण बेहद अलोकप्रिय थीं। 38 वर्षीय जेरी पहले संसद के अध्यक्ष थे। उनके प्रधानमंत्री एर्नेस्टो अल्वारेज एक अति-दक्षिणपंथी पूर्व न्यायाधीश हैं, जिन्होंने पहले जेन-जेड आंदोलन को अराजकता फैलाने वाला गिरोह बताया था। जेरी पर पहले भी विवाद रहे हैं, उन पर एक महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाया था, हालांकि मामला अगस्त में खारिज कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने इस मुद्दे को भी उठाया और सड़कों पर ÷द रेपिस्ट इज जेरी÷ जैसे नारे लगाए।

रूसी हमलों से यूक्रेन में छाया घना अंधेरा, जेलेंस्की ने लगाई ट्रंप से मदद की गुहार

कीव , एजेंसी। रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइलों से हमला किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से और अधिक अमेरिकी वायु रक्षा प्रणाली एवं लंबी दूरी की मिसाइलों की मांग करने की तैयारी कर रहे हैं। यूक्रेन की राष्ट्रीय ऊर्जा संचालक कंपनी, यूक्रेनेर्गो ने बताया कि ड्रोन एवं मिसाइल हमलों के बाद आठ यूक्रेनी क्षेत्रों में बिजली काटनी पड़ी। देश की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी, डीटीईके ने राजधानी कीव में बिजली गुल होने की सूचना दी और कहा कि हमलों के कारण उसे मध्य पोल्टावा क्षेत्र में प्राकृतिक गैस निष्कर्षण रोकना पड़ा। जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर 300 से ज़्यादा ड्रोन और 37 मिसाइलें दागीं। उन्होंने रूस पर क्लस्टर हथियारों का इस्तेमाल करने और ग्रिड की मरम्मत में लगे आपातकालीन कर्मचारियों एवं इंजीनियरों को निशाना बनाने के लिए एक ही लक्ष्य पर बार-बार हमले करने का आरोप लगाया। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा, ''इस मौसम में, रूसी हर दिन हमारे ऊर्जा ढांचे पर हमला कर रहे हैं। जेलेंस्की के शुक्रवार को ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ बैठक से पहले बृहस्पतिवार को अमेरिका पहुंचने की उम्मीद है।

पापुआ क्षेत्र में इंडोनेशियाई सेना और अलगाववादी समूह के बीच संघर्ष

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की सेना ने गुरुवार को कहा कि उसने पापुआ क्षेत्र के इंटान जाया जिले के सोआंगगामा गांव को फिर से अपने कब्जे में ले लिया। सेना का दावा है कि इस संघर्ष में 14 अलगाववादी मारे गए। हालांकि, अलगाववादियों ने यह दावा खारिज किया है और कहा कि मारे गए में केवल तीन ही लड़ाके थे, जबकि नौ आम नागरिकों की हत्या की गई। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इवान द्वि प्रिहरतोनो ने बताया कि बुधवार सुबह दर्जनों अलगाववादी, जो हथियार और धनुष-बाण लेकर आए थे, ने सैनिकों पर हमला किया। सैनिक उस समय एक अलगाववादी पोस्ट पर कार्रवाई करने की तैयारी कर रहे थे। प्रिहरतोनो के अनुसार, सैनिकों ने छह घंटे और 30 मिनट तक चली लड़ाई के बाद अलगाववादियों को खदेड़ दिया और गांव पर नियंत्रण कर लिया। उन्होंने बताया कि सैनिकों को किसी भी तरह के नुकसान का सामना नहीं करना पड़ा। सेना ने इस दौरान एक घरेलू राइफल, चार एयर राइफल, गोलियां, दूरबीन, संचार उपकरण और अलगाववादी संगठन का मॉर्निंग स्टार झंडा बरामद किया। उन्होंने कहा, बाकी अलगाववादी जंगल की ओर भाग गए और हमने उनका बेस कब्जे में ले लिया। पश्चिम पापुआ लिबरेशन आर्मी (फ्री पापुआ ऑर्गेनाइजेशन का सैन्य हिस्सा) के प्रवक्ता सेबी सांबॉम ने सेना के दावे को खारिज किया। उन्होंने कहा कि गांव में कोई अलगाववादी बेस नहीं था और मारे गए 14 लोगों में से नौ आम नागरिक थे। उनका कहना था कि केवल तीन ही अलगाववादी थे। सांबॉम ने बताया कि सेना ने एक घर को घेर लिया और उसे अलगाववादी पोस्ट समझकर आठ लोगों की हत्या कर दी। उन्होंने कहा, हमारे पास युद्ध के नियम हैं, हम कभी भी किसी आवासीय इलाके में बेस नहीं बनाएंगे। पापुआ में अलगाववादी आंदोलन 1960 के दशक से चल रहा है, जब इंडोनेशिया ने इस क्षेत्र को अपने कब्जे में लिया था। पापुआ को 1969 में इंडोनेशिया में शामिल किया गया था।

अफगानिस्तान से पिटने के बाद भी नहीं सुधर रहा पाक, अब भारत को लेकर दिया विवादित बयान

काबुल, एजेंसी।
पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच 48 घंटों का युद्ध विराम जारी है। दोनों पड़ोसी देशों के बीच 8 अक्टूबर को संघर्ष शुरू हुआ था। इस बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इस युद्ध पर भारत को लेकर एक विवादित टिप्पणी की है। दरअसल, एक पाकिस्तानी समाचार चैनल से बातचीत के दौरान पाक के रक्षा मंत्री ने कहा कि सीमा पर भारत गंदा खेल खेल सकता है। इस दौरान पाक के रक्षा मंत्री ने दावा किया कि उनका देश हर परिस्थिति के लिए तैयार है। एक समाचार चैनल के साथ साक्षात्कार के दौरान ख्वाजा आसिफ बॉर्डर पर भारत की उकसावे की कार्रवाई की संभावना के बारे में बात कर रहे थे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने दावा किया कि ऐसी संभावनाएं काफी ज्यादा हैं। इस साक्षात्कार के दौरान एंकर ने सवाल किया कि क्या अगर टू-फ्रंट वॉर छिड़ जाता है, तो क्या आपने इससे निपटने के तरीके पर प्रधानमंत्री के साथ कोई मीटिंग की है? इस सवाल के जवाब में आसिफ ने कहा कि हां, स्ट्रैटजी तैयार है। मैं उन पर पब्लिकली बात नहीं कर सकता, लेकिन हम किसी भी हालात के लिए पूरी तरीके से तैयार हैं।

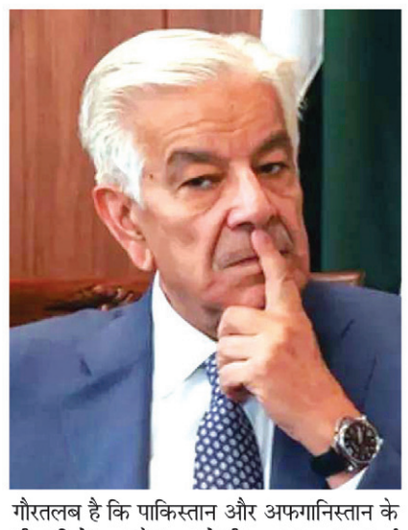

गौरतलब है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच छिड़े युद्ध के बाद से ही पाक भारत पर कई आरोप लगा रहा है। इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने भारत की तरफ से प्रॉक्सी वॉर लड़ने का आरोप लगाया था। बता दें कि इस हफ्ते की शुरुआत में जियो न्यूज से बात करते हुए पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने अपने देश के आतंकी अतीत को नजरअंदाज करते हुए कहा था कि मुझे शक है कि सीजफायर चलेगा, क्योंकि अफगानिस्तान के फैसले भारत स्पॉन्सर कर रहा है। इतना ही नहीं पाक के रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि अभी काबुल दिल्ली के लिए एक प्रॉक्सी वॉर लड़ रहा है।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान संघर्ष पर भारत का बयान

आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान संघर्ष पर भारत का रुख साफ किया। उन्होंने एक बयान में कहा कि इस संघर्ष को लेकर तीन बातें साफ हैं। एक, पाकिस्तान टेररिस्ट ऑर्गनाइजेशन को पनाह देता है और टेररिस्ट एक्टिविटी को स्पॉन्सर करता है। दूसरी बात अपनी अंदरूनी नाकामियों के लिए अपने पड़ोसियों को दोष देना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। वहीं, तीसरी बात पाकिस्तान इस बात से नाराज है कि अफगानिस्तान अपने इलाकों पर सॉवरनिटी का इस्तेमाल कर रहा है। भारत अफगानिस्तान की सॉवरनिटी, टेरिटोरियल इंटीग्रिटी और आजादी के लिए पूरी तरह कमिटेड है।

यूक्रेन जंग खत्म करने के लिए जल्द बुडापेस्ट में मुलाकात

ट्रंप-पुतिन के बीच टेलीफोन पर हुई लंबी बातचीत

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हाल ही में हुई टेलीफोन बातचीत को ÷बहुत ही उपयोगी÷ बताया। उन्होंने कहा कि पुतिन ने उन्हें और अमेरिका को मध्य पूर्व में शांति स्थापना के लिए बधाई दी। पुतिन ने इसे सदियों का सपना बताया।

उच्च स्तरीय बैठक और बुडापेस्ट की योजना: ट्रंप ने कहा कि दोनों पक्षों ने अगले सप्ताह उच्च स्तरीय बैठकें आयोजित करने पर सहमति जताई है। इन बैठकों का नेतृत्व सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रूबियो और अन्य अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बैठक का स्थान अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इसके बाद राष्ट्रपति स्तर की मुलाकात बुडापेस्ट,

हंगरी में होगी। इसका मुख्य उद्देश्य है कि यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे ÷अप्रशंसनीय÷ युद्ध को समाप्त किया जा सके।

ट्रंप ने कहा कि वे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में मिलेंगे। इस बैठक में पुतिन के साथ हुई बातचीत और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। जेलेंस्की पहले ही जोर दे चुके हैं कि टॉमहॉक मिसाइलों की बिक्री से यूक्रेन को रूस के गहरे इलाकों में हमला करने में मदद मिलेगी। उनका तर्क है कि इससे पुतिन पर दबाव बढ़ेगा और वह डायरेक्ट वार्ता के लिए गंभीर होंगे। ट्रंप ने बताया कि पुतिन ने फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप के बच्चों के लिए किए गए काम की सराहना की और कहा कि यह बहुत ही सराहनीय है। पुतिन ने आश्वासन दिया कि इस तरह के कार्य भविष्य में भी जारी रहेंगे।

दोनों नेताओं ने युद्ध के बाद अमेरिका और रूस के बीच संभावित व्यापार के अवसरों पर भी चर्चा की।

ट्रंप ने कहा कि इस टेलीफोन वार्ता से दोनों पक्षों के बीच महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बुडापेस्ट में होने वाली बैठक और जेलेंस्की के साथ की जाने वाली चर्चा युद्ध को समाप्त करने और शांति स्थापित करने में मदद करेगी।

इच्छामृत्यु को अपराधमुक्त करने वाला कानून पारित

उरुग्वे , एजेंसी। उरुग्वे की सीनेट ने इच्छामृत्यु को अपराधमुक्त करने वाला कानून पारित कर दिया है जिससे यह दक्षिण अमेरिकी देश उन कुछ अन्य देशों में शामिल हो गया है जहां गंभीर रूप से बीमार मरीज अपना जीवन समाप्त करने के लिए कानूनी रूप से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। बुधवार को उठाए गए इस कदम से उरुग्वे कैथोलिक बहुल लैटिन अमेरिका में कानून के तहत इच्छामृत्यु की अनुमति देने वाला पहला देश बन गया है। उरुग्वे में सत्तारूढ़ वामपंथी गठबंधन की सीनेटर पेट्रीसिया क्रेमर ने देश की राजधानी मोंटेवीडियो में सांसदों से कहा, ''जनमत हमें इस पर विचार करने के लिए कह रहा है।'' पिछले पांच साल से रुक-रुक कर आगे बढ़ते रहे इस कानून ने बुधवार को उस समय आखिरी बाधा पार कर ली जब संसद के उच्च सदन में 31 में से 20 सीनेटर ने इसके पक्ष में मतदान किया। निचले सदन ने अगस्त में इस विधेयक को भारी बहुमत से मंजूरी दे दी थी। चर्चा के दौरान सत्तारूढ़ 'ब्रॉड फ्रंट' गठबंधन के सांसदों ने इच्छामृत्यु के अधिकार का जोरदार बचाव किया। इसके लिए चलाए गए अभियान की तुलना तलाक एवं समलैंगिक विवाह की वैधता से की। अमेरिकी राज्यों, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में इच्छामृत्यु के लिए आवेदन करने का अधिकार केवल उन लोगों को दिया जाता है जिनके जीने की संभावना छह महीने या एक साल से अधिक नहीं है, लेकिन उरुग्वे में ऐसा नहीं है।

फ्रांस में सियासी संकट: बाल-बाल बची मैक्रों की सरकार

सदन में प्रधानमंत्री लेकोर्नु के खिलाफ दो अविश्वास प्रस्ताव गिरे

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस का ताजा सियासी संकट फिलहाल टल गया है, क्योंकि प्रधानमंत्री सेबस्टियन लेकोर्नु गुरुवार को लगातार अविश्वास प्रस्तावों से बच गए। इससे सरकार गिरने का खतरा टल गया और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को कुछ समय के लिए राहत मिल गई। हालांकि, अब भी देश का बजट पारित कराना असली चुनौती है।

हालात में थोड़ी स्थिरता जरूर आई है। लेकिन संकट पूरी तरह टला नहीं है। यूरोप की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अब भी एक अल्पमत वाली सरकार चला रही है। ससंद में कोई एक पार्टी या गठबंधन बहुमत में नहीं है। अब हर बड़ा कानून आखिरी समय पर होने वाली सौदेबाजी पर निर्भर हो गया है और अगली बड़ी परीक्षा सालाना बजट पारित कराना है, जिसे साल खत्म होने से पहले पास करना जरूरी है।

संसद में ड्रामा

गुरुवार को 577 सीटों वाली नेशनल असेंबली में सांसदों ने वामपंथी पार्टी फ्रांस अनबोउड की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया। प्रस्ताव के पक्ष में 271 वोट पड़े, जो सरकार गिराने के लिए जरूरी 289 वोटों से 18 कम थे। दूसरा अविश्वास प्रस्ताव दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली की ओर से लाया गया, जो विफल हो गया। अगर लेकोर्नू यह वोट हार जाते, तो राष्ट्रपति मैक्रों के सामने नए संसदीय चुनाव कराने, एक और नया प्रधानमंत्री खोजने (जो एक साल में फ्रांस का पांचवां प्रधानमंत्री होता) या खुद इस्तीफा देने जैसे कुछ ही कठिन और अप्रिय विकल्प बचते, जिससे वह पहले ही इनकार कर चुके हैं।

फ्रांस इस स्थिति तक कैसे पहुंचा?: जून 2024 में राष्ट्रपति मैक्रों द्वारा नेशनल असेंबली को भंग करने का

फैसला उनके लिए उल्टा साबित हुआ। इसके बाद जो संसदीय चुनाव हुए, उसमें निचले सदन में मैक्रों के विरोधी नेता तो बड़ी संख्या में चुनकर आ गए, लेकिन किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। तबसे मैक्रों की अल्पमत सरकार एक-एक विधेयक के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है और लगातार गिर जा रही है। यह स्थिति फ्रांस की पांचवीं गणराज्य की राजनीतिक व्यवस्था से मेल नहीं खाती है, जिसकी नींव 1958 में शार्ल द गॉल के नेतृत्व में रखी गई थी। यह व्यवस्था एक मजबूत राष्ट्रपति और स्थिर संसद के बहुमत के लिए बनाई गई थी, न कि गठबंधन की सौदेबाजी या बिखरी हुई संसद के लिए।

अब जब कोई भी एक दल या गठबंधन 289 सीटों के पूर्ण बहुमत के करीब भी नहीं है, तो यह पूरी राजनीतिक व्यवस्था अपनी मूल संरचना के खिलाफ जाकर काम कर रही है। हर बड़ा वोट एक तनावपूर्ण मुकाबला बना रहा है और फ्रांस की शासन व्यवस्था को लेकर बुनियादी सवाल उठ रहे हैं। फ्रांसीसी मतदाताओं और पर्यवेक्षकों के लिए यह स्थिति चौंकाने वाली है। जो देश कभी यूरोप की स्थिरता का मॉडल माना जाता था, वह अब एक संकट से दूसरे संकट में फंसते चला जा रहा है।

पेंशन कानून बना अहम मुद्दा

विपक्षी दलों के कुछ सांसदों का समर्थन पाने के लिए प्रधानमंत्री लेकोर्नू ने राष्ट्रपति मैक्रों के 2023 के प्रमुख पेंशन कानून को धीरे-धीरे लागू करने का प्रस्ताव रखा। इस कानून के तहत सेवानिवृत्ति की उम्र 62 से बढ़ाकर 64 की जानी है। इस देरी से कानून के पूरी तरह लागू होने की समयसीमा लगभग दो साल आगे खिसक सकती है। इससे उन लोगों पर तुरंत असर नहीं पड़ेगा, जो अभी सेवानिवृत्ति के करीब हैं। सरकार का कहना है कि इस देरी से अगले साल करीब 400 मिलियन यूरो (430 मिलियन डॉलर) का अतिरिक्त खर्च आएगा और 2027 तक यह लागत बढ़कर 1.8 बिलियन यूरो (1.9 बिलियन डॉलर) हो सकती है। हालांकि, उन्होंने कहा है कि इन खर्चों की भरपाई के लिए अलग से प्रबंध किया जाएगा। फ्रांस में कई लोगों के लिए पेंशन का मुद्दा बहुत संवेदनशील है। 2023 के इस पेंशन कानून ने बड़े विरोध प्रदर्शनों और हड़तालों को जन्म दिया, जिससे पेरिस की सड़कों पर कचरे के ढेर लग गए। इसके बाद सरकार ने अनुच्छेद 49.3 का सहारा लिया, जो प्रधानमंत्री को बिना संसद के वोट के कानून पारित कराने का विशेष सांविधानिक अधिकार देता है।

बस्तर सांसद महेश कश्यप ने किरंदुल में किया विकास कार्यों का लोकार्पण

स्कूल भवन और स्ट्रीट लाइट का हुआ उद्घाटन

तस्वीर पर दीप प्रज्वलन और पूजा-अर्चना के साथ उद्घाटन समारोह शुरू हुआ।

किरंदुल(समय दर्शन)। बस्तर सांसद महेश कश्यप, विधायक चैतराम अटामी और जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी का किरंदुल में आतिशबाजी और गाजे-बाजे के साथ भव्य स्वागत किया गया। पार्षदों ने गजमाला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इसके बाद वार्ड क्रमांक 07 के शासकीय माध्यमिक शाला बैलाडीला में आयोजित कार्यक्रम में मां सरस्वती की

स्कूल के बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया, जिसके लिए सांसद महेश कश्यप ने उन्हें 5,000 रुपये का पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर एनएमडीसी द्वारा 90 लाख रुपये की लागत से निर्मित स्कूल की नई बिल्डिंग और ए.एम.एन.एस. द्वारा सी.एस.आर. फंड से प्रदान किए गए बेंचों का लोकार्पण सांसद, विधायक और जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त, किरंदुल के वार्ड क्रमांक 02, 11 और 18 में स्ट्रीट लाइट की कमी से नागरिकों को होने वाली असुविधा को देखते हुए नगरपालिका अध्यक्ष ने त्वरित कार्रवाई की। इन वार्डों में ट्यूबलर स्ट्रीट लाइटें स्थापित की गईं, जिनका उद्घाटन भी सांसद, विधायक और जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया।

कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह, मुख्य नगरपालिका अधिकारी शशिभूषण महापात्र, एनएमडीसी के एजीएम (एचआर) दीपक पाल, एस.आर. गावड़े, ए.एम.एन.एस. के महाप्रबंधक वाई.वी. राघवेलु, उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

खबर-खास

तर्रा में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। युवा शक्ति का आयोजन सांसद खेल महोत्सव ग्राम तर्रा के पुरनचंद शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में हुआ इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य श्रीमती नीलम राजेश चंद्राकर जी,अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक जी,विशेष अतिथि जनपद सदस्य श्रीमती संतोषी ठाकुर जी, श्री कमलेश चंद्राकर मंडल अध्यक्ष अमलेश्वर ,सरपंच विपिन चंद्राकर तर्रा सांसद खेल महोत्सव में बालिकाओं के द्वारा कबड्डी खेल बालको के द्वारा कबड्डी खेल का आयोजन हुआ कुर्सी दौड़ ,फुगड़ी ,100 मीटर लंबी रेस ,400 मीटर लंबी रेस सहित अन्य खेलों का उत्साह पूर्वक आयोजन हुआ ग्रामीण बच्चों ने भी कबड्डी में अपना प्रदर्शन किया इस कार्यक्रम को रज्जू सोनी अध्यक्ष साल प्रबंधन एवं विकास समिति, सदस्य गण लक्ष्मण चंद्राकर रामानंद चंद्राकर डॉ योगेश चंद्राकर भागवत साहू संस्था के प्राचार्य अजय शर्मा तीनों स्कूलों के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं पीटीआई टिकेश साहू का विशेष योगदान रहा।

धनतेरस पर दंतेवाड़ा पुलिस की सौगात, 22 लाख की गुम संपत्ति और 107 मोबाइल लौटाए

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। धनतेरस के अवसर पर दंतेवाड़ा पुलिस ने इया आपलो सामान निया कार्यक्रम के तहत 22 लाख रुपये से अधिक कीमत के 107 गुम मोबाइल नागरिकों को वापस किए। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के मार्गदर्शन में CEIR पोर्टल के माध्यम से दंतेवाड़ा, ओडिशा, जगदलपुर, सुकमा, बीजापुर और कोंडागांव से गुम मोबाइल बरामद किए गए। साइबर अपराधों से बचाव के लिए दंतेवाड़ा पुलिस ने साइबर हेल्पलाइन नंबर 9479151665, व्हाट्सएप अकाउंट और साइबर संगवारी दंतेवाड़ा व्हाट्सएप चैनल शुरू किया है। नागरिक 1930 हेल्पलाइन या **cybercrime@gov.in** पर भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। संदिग्ध कॉल, मैसेज या लिंक पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

पीएमश्री विद्यालय में अंशकालिक खेल/योग एवं संगीत प्रशिक्षक के लिए 26 तक आवेदन आमंत्रित

कोरबा (समय दर्शन)। जिला परियोजना कार्यालय समग्र षिक्षा के अंतर्गत कोरबा जिले में संचालित 16 पीएमश्री विद्यालयों में 31 मार्च 2026 तक के लिए अंशकालिक खेल/योग एवं प्रषिक्षक हेतु 26 अक्टूबर तक आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। योग/खेल प्रषिक्षक हेतु किसी मान्यता प्राप्त विष्वविद्यालय या संस्थान से न्यूनतम शारीरिक षिक्षा या योग षिक्षा में स्नातक डिग्री तथा संगीत प्रषिक्षक हेतु किसी मान्या प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से संगीत में स्नातक की डिग्री या समकक्ष योग्यता अनिवार्य है। प्रषिक्षकों को न्यूनतम मानदेय राषि रूपये 10 हजार मात्र प्रदान किया जायेगा।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला मिषन संचालक समग्र षिक्षा कोरबा से प्राप्त जानकारी के अनुसार उपरोक्त पद हेतु इच्छुक आवेदकों के आवेदन पत्र 26 अक्टूबर 2025 शाम 5 बजे तक कार्यालय जिला मिषन समन्वयक, समग्र षिक्षा कोरबा, केडा आफिस के उपर प्रथम तल में अनिवार्य रूप से प्राप्त हो जाना चाहिए। आवेदक कोरबा जिले में संचालित प्रत्येक पीएमश्री स्कूल हेतु पृथक-पृथक आवेदन, पृथक-पृथक लिफाफे में करना होगा। एक विद्यालय हेतु एक से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर अंतिम प्राप्त आवेदन को सही मानते हुए शेष आवेदन को निरस्त माना जायेगा। निर्धारित तिथि के पष्चात प्राप्त आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे। आवेदन पत्र स्पीड पोस्ट या स्वयं उपस्थित होकर जमा कर सकते हैं।

पाली-तानाखार विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई पहचान

कोरबा (समय दर्शन)। कोरबा जिले का पाली-तानाखार विधानसभा क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य, जनजातीय संस्कृति और सामाजिक एकता के लिए जाना जाता है। दुर्गम और सूदुरवर्ती क्षेत्र के रूप में जाना जाने वाला इस विधान सभा क्षेत्र पाली-तानाखार में दो बड़े विकासखंड पोंड़ीउपरोड़ा तथा पाली आता है। सुदुरवर्ती क्षेत्र होने की वजह से इस क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए जनप्रतिनिधियों द्वारा समय-समय पर मांग की जाती रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और कैबिनेट मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन मेंपाली-तानाखार विधानसभा क्षेत्र में अनेक विकास कार्यों को गति मिली है। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला खनिज न्यास संस्थान श्री अजीत वसंत ने पाली-तानाखार क्षेत्र में 1088 विकास कार्यों के लिए 173 करोड़ 88 लाख 28 हजार 848 रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। डीएमएफसे विकास कार्यों के लिए बड़ी राषि स्वीकृत होने से यह क्षेत्र अब विकास की नई राह पर अग्रसर है।

झीट मे होगा दिवाली खो खो लीग

पाटन(समय दर्शन)। खेल ग्राम झीट मे एक फिर खिलाडियों के लिए एक नया प्लेटफॉर्म लेकर आया है इस बार प्रथम वर्ष आईपीएल क्रिकेट लीग की तर्ज़ पर खो खो चैंपियन्स लीग का आयोजन किया जा रहा है।

जिस तरह इंटरनेशनल लेवल पर आईपील के नाम से क्रिकेट आयोजन प्रतिवर्ष होता है और उसमे क्रिकेट खिलाडियों की नीलामी होता ठीक वैसे ही ग्रामीण लेवल पर ग्राम झीट एडवेंचर खो खो क्लब के तत्वावधान मे खो खो खेल मे रोमांच लाने के लिए इस दिवाली सीजन मे क एडवेंचर खो खो क्लब के सीनियर और जूनियर खिलाडियों को फ्रेंचाइज़ीयो (टीम मालिको) के द्वारा नीलामी लगाकर 45 खिलाडियों को 4 अलग अलग टीम विभाजित किया गया है , जिसमे प्रत्येक टीम मे खिलाडियों की संख्या 11 है, जिसमे टीमो के नाम इस प्रकार है- एडवेंचर हंटर, एडवेंचर फाइटर, एडवेंचर अटेकर, एडवेंचर वारियर । यह प्रतियोगिता दिवाली त्योहार के बाद 24 अक्टुबर से 26 अक्टुबर तक सुबह 8 बजे -11 बजे तक, शाम को 5 बजे से 9 बजे तक तीन दिन तक चलेगा। प्रतियोगिता विजेता, उपविजेता तथा तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाले टीमो को भी इनाम राशि दिया जायेगा साथ ही खिलाडियों के लिए, बेस्ट डिफेंडर, बेस्ट चेज़र, बेस्ट प्लेज़र थे तुर्नामेंट, इमर्जिंग प्लेज़र, आलराउंडर खिलाडियों के लिए आकर्षक इनाम दिया जायेगा। इस प्रकार इस प्रतियोगिता को आयोजित करने के एडवेंचर खो खो क्लब के सभी खिलाडी सदस्य, सहित समस्त ग्रावासियो मे उत्साहित है ।

बुजुर्ग बीमार मां, बीमार बेटा एवं अंधी बहन को मिला संत रामपाल महाराज द्वारा चलाए गए अन्नपूर्णा मुहिम का लाभ

पाटन (समय दर्शन)। संत रामपाल महाराज जी के नेतृत्व में मानव सेवा को सर्वोपरि मानते हुए देश भर में चलाए जा रही अन्नपूर्णा मुहिम के तहत दुर्ग जिले के गंजपारा में रहने वाले संतोष टेम्भुलकर के परिवार को लाभ मिला। बता दें कि संतोष टेम्भुलकर को पीलिया होने के कारण लीवर में इन्फेक्शन काफी बढ़ गया था, जिस कारण से वह गरीबी के कारण ठीक से इलाज भी नहीं करा पा रहा था और विगत डेढ़ वर्ष से घर में था जिस कारण से परिवार की पालन पोषण की समस्या आन पड़ी परिवार में बुजुर्ग मां, एक अंधी बहन एवं स्वयं के जीवन का निर्वहन बहुत ही मुश्किल हो गया था। ऐसे में संत रामपाल जी महाराज द्वारा पूरे भारत में चलाए गए अन्नपूर्णा मुहिम के तहत दिनांक 16/10/25 को इस परिवार की मदद की गई जिसमें एक माह का राशन सामान का कीट, पूरे परिवार के लिए कपड़े, खाट के लिए नेवार, एवं गैस सिलेंडर भरा कर दिया गया और और बताया गया कि यह मदद तब तक जारी रहेगी जब तक परिवार का मुखिया संतोष पूरी तरह से स्वस्थ और कमाने लायक नहीं हो जाता। इस अन्नपूर्णा मुहिम की तारीफ करते हुए वार्ड 37 के पूर्व पार्षद सु श्री श्रद्धा सोनी ने संत रामपाल महाराज जी की जमकर तारीफ की एवं संत जी का धन्यवाद किया। यह जानकारी संत रामपाल जी महाराज के शिष्य खेमेंद्र साहू, राम नरेश महतो, सेवक देवांगन, देव सिंग मानिकपुरी, यशवंत साहू एवं अन्य शिष्यों के द्वारा दी गई।

गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कोरबा में चार विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की अनुमति, अब यहीं होगी स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की पढ़ाई

कोरबा (समय दर्शन)। कोरबा जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कोरबा को अब चार विषयों में स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम शुरू करने की अनुमति नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) से मिल गई है। आगामी सत्र से ही इन पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कॉलेज में विषयों में एमडी कोर्स की स्वीकृति मिली है जिसमें एमडी - एनेस्थीसिया: 03 सीट, एमडी - स्त्रीरोग (गायनेकोलॉजी): 03 सीट, एमडी - जनरल मेडिसिन: 04 सीट, एमडी - जनरल सर्जरी: 04 सीट शामिल है। इस स्वीकृति के बाद मेडिकल कॉलेज कोरबा अब स्नातक स्तर के साथ-साथ स्नातकोत्तर स्तर की चिकित्सा शिक्षा का केंद्र भी बन जाएगा। इससे कोरबा और आसपास के जिलों के मेडिकल छात्रों को अन्य शहरों में भटकने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।साथ ही, इन विभागों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या बढ़ने से जिले के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

।। न्यायालय तहसीलदार उप तह. भंवरपुर जिला महासमुन्द (छ.ग.)।।

// ईश्तहार //

क्रमांक/430/क/वा-1/तह./2025
भंवरपुर, दिनांक 10/10/2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक अंजोर साव पिता जोगीराम निवासी ग्राम दुरुगपाली तहसील बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक अपने माता उर्मिला साव का दिनांक 13/02/2015 को स्थान दुरुगपाली में मृत्यू हुआ है। उक्त मृत्यू का पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथि में माता उर्मिला साव के मृत्यू की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध ने जिस किसी व्यक्ति या संस्था को किसी भी प्रकार के आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 25/10/25 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 10/10/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
बसना

खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर सख्त कार्रवाई

जिले में खनिज विभाग की त्वरित कार्रवाई, केडियाडीह में अवैध रैंप तोड़ा गया

महासमुन्द(समय दर्शन)। माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ द्वारा पारित अंतरिम आदेश एवं छत्तीसगढ़ शासन, खनिज साधन विभाग के निर्देशों के परिपालन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए कठोर कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देशानुसार खनिज विभाग की टीम द्वारा आज ग्राम केडियाडीह (तहसील महासमुंद) स्थित महानदी तट पर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रेत के अवैध उत्खनन के उद्देश्य से निर्माणाधीन रैंप पाया गया, जिसे तत्काल खनिज अमले द्वारा ध्वस्त किया गया। खनिज अधिकारी योगेन्द्र सिंह ने बताया कि रेत का अवैध उत्खनन, परिवहन या भंडारण खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 के तहत 2 से 5 वर्ष का दंडनीय अपराध है। इस प्रकरण में एफआईआर दर्ज कर परिवाद दाखिल करने की कार्रवाई की जाएगी, जिसमें दो से पाँच वर्ष तक की सजा का प्रावधान है।

उन्होंने आगे बताया कि जिले के सभी खनिज पट्टेदारों एवं परिवहनकर्ताओं को पूर्व में भी यह निर्देशित किया गया है कि बिना अभिवहन पास के खनिज उत्खनन, परिवहन अथवा भंडारण पूर्णत: प्रतिबंधित है।

कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। खनिज विभाग की टीम द्वारा निरंतर जांच और कार्रवाई की जाएगी ताकि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग

नामांतरण सूचना विज्ञप्ति क्रमांक 26 वर्ष 2025-26

सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के अंतर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों के उनके नाम के सामने भुमि भवन स्वामित्व परिवर्तन हेतु आवेदन किया है।

संबंधित हित वाले व्यक्ति सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अंदर अपने आपत्ति लिखित में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात् आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

क्र.	ना. प्र.क्र.	क्रेता का नाम	विक्रेता का नाम	वार्ड क्रमांक	नाम परिवर्तन का आधार जिस पर दावा/ आपत्ति की जानी है
750	750	हेमन्त देवांगन/किशन लाल देवांगन, पदमनी देवांगन/ हेमन्त देवांगन	साधना श्रीवास्तव / अकलेश कुमार श्रीवास्तव	वार्ड क्र. 43 कसारीडीह दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
751	751	स्वाति प्रदीप/ श्री प्रदीप अवसरे	नीति खिचरिया हस्ते मोनिका सोनी / भूपेन्द्र कुमार सोनी, भूपेन्द्र कुमार सोनी/ बिहारी लाल सोनी	वार्ड क्र. 59. कातुलबोर्ड दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
752	752	महेन्द्र पंजवानी/ जशन मल पंजवानी, सरवानंद पंजवानी/ जशन मल पंजवानी, संजय पंजवानी / जशन मल पंजवानी, पूरन भगत पंजवानी / जशन मल पंजवानी	ललित कुमार वाघेला/ हिम्मत लाल वाघेला, संगीता वाघेला / स्व. ललित कुमार वाघेला एवं अन्य 01	वार्ड क्र. 30. तमेर पारा दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
753	753	महेन्द्र पंजवानी/ जशन मल पंजवानी, सरवानंद पंजवानी/ जशन मल पंजवानी, संजय पंजवानी / जशन मल पंजवानी, पूरन भगत पंजवानी / जशन मल पंजवानी	ललित कुमार वाघेला/ हिम्मत लाल वाघेला एवं जगप्रीत सिंह लूथरा/ स्व. एच.एस. लूथरा	वार्ड क्र. 30. तमेर पारा दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
754	754	महेन्द्र पंजवानी/ जशन मल पंजवानी, सरवानंद पंजवानी/ जशन मल पंजवानी, संजय पंजवानी / जशन मल पंजवानी, पूरन भगत पंजवानी / जशन मल पंजवानी	ललित कुमार वाघेला/ हिम्मत लाल वाघेला एवं कमलप्रीत कौर लूथरा/ जगप्रीत सिंह लूथरा	वार्ड क्र. 30. तमेर पारा दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
755	755	उमेश अग्रवाल / कृष्णचंद्र अग्रवाल	सुभाष अग्रवाल, उमेश अग्रवाल / कृष्णचंद्र अग्रवाल	वार्ड क्र. 06, ठेठवार पारा दुर्ग	बंटवारा नामा
756	756	पीयुष अग्रवाल / कृष्णचंद्र अग्रवाल	सुभाष अग्रवाल, उमेश अग्रवाल / स्व. कृष्णचंद्र अग्रवाल	वार्ड क्र. 06, ठेठवार पारा दुर्ग	बंटवारा नामा
757	757	के. सुब्रमण्यम / स्व. एस. कृष्णा स्वामी	जय लक्ष्मी / स्व. एस. कृष्णा स्वामी	वार्ड क्र. 13, मोहननगर, दुर्ग	प्रबंधक दुर्ग जिला गृह निर्माण सहकारी मर्या. राजनांदगांव का अनबुध पत्र
758	758	मनीषा साहू/ भोला राम साहू	किरण जैन / गेनमल जैन	वार्ड क्र. 59. कातुलबोर्ड दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
759	759	लक्ष्मी प्रिया साहू/ श्री हरिबंधु साहू	सुषीम मिश्रा / रमेश कुमार मिश्रा	वार्ड क्र. 59. कातुलबोर्ड दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
760	760	राजन प्रवान दयाल / स्व. के. के. दयाल	श्रीमती एलबीना दयाल / स्व.के.के. दयाल	वार्ड क्र. 51, बोरसी, दुर्ग	हकत्याग पत्र
761	761	राजकुमार सोलंकी /स्व. धीरज लाल सोलंकी, पुष्पा सोलंकी/ डी.एल. सोलंकी, रश्मि सोलंकी / स्व. डी. एल. सोलकी	धीरज लाल सोलंकी/ रूद्र भाई सोलंकी	वार्ड 11 शंकर नगर दुर्ग	मृत्यु प्रमाण पत्र, ऋण पुस्तिका
762	762	प्रियंका देवी / अरुण कुमार	छविलाल साहू/ राम भगत, मछन्दर सिंह/ गुरुचरण, पवन मिश्रा/ आर.के. मिश्रा	वार्ड क्र. 17. औद्योगिक नगर दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
763	763	मेहजबीन/ आरीफ खान	अवनि कान्त सिंह / जयनारायण सिंह	वार्ड क्र. 14 सिकोला बस्ती, दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
764	764	आकाश जैन/ राजमल जैन	अनमोल जैन / मूलचंद जैन	वार्ड क्र. 55 पुलगांव दुर्ग	हकत्याग पत्र
765	765	सकुन्तला देवी यादव / दिनेश कुमार यादव	धर्मशिला देवी / हरिशचन्द्र सिंह, हरिशचन्द्र सिंह / स्व. धर्मदेव सिंह	वार्ड क्र. 19. शहीद भगत सिंह वार्ड दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
766	766	प्रतिमा रीड / अजय किशोर रोड	एस. व्ही. मसीहदान / स्व. एम. लाल	वार्ड क्र. 46. पद्मनाभपुर, दुर्ग	हकत्याग पत्र
767	767	सुरेन्द्र गुप्ता / स्व. राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता	गजेन्द्र कुमार / राजेन्द्र कुमार, नरेन्द्र कुमार / राजेन्द्र कुमार	वार्ड क्र. 11. शंकर नगर दुर्ग	हकत्याग पत्र
768	768	जसवीर सिंह / स्व. बलवीर सिंह, मनजीत सिंह / स्व.बलवीर सिंह, जसविन्दर कौर / स्व. बलवीर सिंह, अजीत सिंह / स्व बलवीर सिंह, गुरुप्रीत कौर मतारू / अजीत सिंह	बलवीर सिंह / कतार सिंह	वार्ड क्रं. 24. आमदी मंदिर वार्ड, दुर्ग	ऋण पुस्तिका
769	769	प्रीति पाण्डेय / जितेन्द्र कुमार पाण्डेय	कार्यपालन अभियंता छ.ग. गृह निर्माण मंडल संभाग दुर्ग, एम. प्रसाद राव	वार्ड क्र. 20. शहीद भगत सिंह, दुग	सेलडीड
770	770	खिलेश्वरी साहू /भागवत कुमार साहू	प्रतिभा साहू/ मनोज कुमार साहू	वार्ड क्र. 4. मठपारा (उत्तर). दुर्ग	दानपत्र
771	771	खिलेश्वरी साहू / भागवत कुमार साहू	बसंता बाई साहू/ भुवन दास साहू	वार्ड क्र. 4. मठपारा (उत्तर). दुर्ग	दानपत्र
772	772	विना बाई सिन्हा/ स्व. पियुष कुमार सिन्हा, ना. बा. होसांग सिन्हा / स्व. पियुष कुमार सिन्हा, गायत्री सिन्हा / स्व. पियुष कुमार सिन्हा	योगेश्वर प्रसाद सिन्हा / गणपत राम सिन्हा	वार्ड क्रं. 37. आजाद वार्ड, दुर्ग	बंटवारा नामा
773	773	अरविंद कुमार सिन्हा / स्व. योगेश्वर प्रसाद	योगेश्वर प्रसाद सिन्हा / गणपत राम सिन्हा	वार्ड क्रं. 37. आजाद वार्ड, दुर्ग	बंटवारा नामा
774	774	उमाशंकर सिन्हा /स्व. योगेश्वर प्रसाद सिन्हा	योगेश्वर प्रसाद सिन्हा / गणपत राम सिन्हा	वार्ड क्रं. 37. आजाद वार्ड, दुर्ग	बंटवारा नामा
775	775	शत्रुजय तिवारी / स्व. नंदकुमार तिवारी	शत्रुजय तिवारी, निर्मला तिवारी / स्व. नंदकुमार तिवारी	वार्ड क्र. 32, ब्राम्हण पारा, दुर्ग	नजून जांच अधिकारी दुर्ग का पारित आदेश दिनांक 06.08.2025
06.	470	संगराम देवांगन / स्व. तातुराम देवांगन	तातुराम देवांगन / कोल्हुराम	वार्ड क्र. 18. औद्योगिक नगर	मृत्यु प्रमाण पत्र, अनुविभागीय अधिकारी (रा.वि.) दिनांक 23.07.2024

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम दुर्ग

तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में मुंगेली ने बढ़ाया कदम

जिला स्तरीय तिलहन किसान मेला एवं संगोष्ठी में दी गई नई तकनीक और योजनाओं की जानकारी

मुंगेली(समय दर्शन)। राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत महोत्सव के अवसर पर आज जिला मुख्यालय स्थित कृषि उपज मंडी प्रांगण में नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल (ऑइलसीड्स) योजनांतर्गत जिला स्तरीय तिलहन किसान मेला एवं कृषक संगोष्ठी का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर कुंदन कुमार के मार्गदर्शन में कृषि विभाग मुंगेली द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले उपस्थित रहे। साथ ही जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय, अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पांडेय तिवारी, अपर कलेक्टर गिरधारी लाल यादव, एसडीएम अजय शतरंज, जिला पंचायत सदस्य उमाशंकर साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक दीनानाथ केसरवानी, देवचरण भास्कर, उप संचालक कृषि श्रीमती वीणा ठाकुर, सहायक संचालक कृषि सुभाष सोनी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कुशल प्रसाद घिंडोरे, उद्यान अधिकारी श्रीमती अनिता मिश्रा, आत्मा परियोजना की डिप्टी प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्रीमती निवेदिता गवेल सहित कृषि, पशु चिकित्सा, मत्स्यपालन व उद्यानिकी विभाग के अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ पारंपरिक विधि से हुआ। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा उपस्थित किसानों का स्वागत किया गया और कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया किसान मेले का उद्देश्य किसानों को तिलहन फसलों की उन्नत तकनीक, जैविक खेती, मृदा परीक्षण, मिलेट्स उत्पादन, पशुपालन एवं मत्स्य पालन के आधुनिक तरीकों की जानकारी देना था, जिससे देश की खाद्य तेलों पर आयात निर्भरता घटाई जा सके और घरेलू उत्पादन में वृद्धि हो। मेले में कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र, पशु चिकित्सा, उद्यानिकी एवं मत्स्य विभाग के आकर्षक प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए। किसानों ने इन स्टॉलों का भ्रमण कर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। कार्यक्रम में किसानों को विभागीय योजनाओं के अंतर्गत स्प्रेयर मशीन, पीएम किसान कार्ड, स्वायल हेल्थ कार्ड, फसल बीमा कार्ड, सब्जी मिनीकिट, आइस बॉक्स आदि का वितरण किया गया। विधायक मोहले ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य के 25 वर्षों की विकास यात्रा में कृषि क्षेत्र ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार का उद्देश्य किसानों की आय दोगुनी करना और उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ना है। ऐसे मेले किसानों को नई दिशा और नवाचार की प्रेरणा देते हैं। कृषि विशेषज्ञों ने संगोष्ठी में कहा कि भारत तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बन सकता है, यदि किसान उन्नत बीजों का उपयोग, जलवायु अनुकूल फसलों का चयन और आधुनिक तकनीक को अपनाएं। किसान मेला में लगभग 750 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

संक्षिप्त-खबर

महिलाओं ने साजा विधायक निवास पहुंचकर सुवानृत्य किया

साजा (समय दर्शन)। धनतेरस पर्व पर बड़ी संख्या में थानखम्हरिया से महिलाएं साजा विधायक निवास पहुंचकर विधायक ईश्वर साहू को धनतेरस पर्व, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाईदूज की शुभकामनाएं दी। इस दौरान महिलाओं ने थाप लगाते हुए ' तरी हरी ना मोर नाना सुवाना ,सुवा लहकत हे, कुकरा बसत हे,आगे सगा पहुंना जैसे विभिन्न सुवा गीत गायन करते हुए सुवा नृत्य किया। इस दौरान अधिक संख्या में सुवा गीत देखने आमजन पहुंचे । सभी ने सुवा नृत्य की प्रशंसाएं की । विधायक ईश्वर साहू ने सभी लोगों को पांच दिवसीय त्यौहार दीपावली पर्व की बधाइयां दी।

सर्व कन्नौजिया श्रीवास समाज मुंगेली में निर्विरोध अध्यक्ष व सचिव का चयन

मुंगेली(समय दर्शन)। सर्व कन्नौजिया श्रीवास समाज मुंगेली की बैठक में सर्वसम्मति से समाज के नए पदाधिकारियों का चयन किया गया। समाज की एकता और सहयोग के बीच हुए इस चुनाव में मुकेश श्रीवास को निर्विरोध अध्यक्ष तथा रंजीत श्रीवास को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में मुंगेली जिले सहित नवागढ़, बिलासपुर और रतनपुर से आए समाज के वरिष्ठजनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। यह समाज के लिए गौरव का क्षण रहा,जब बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु एक मंच पर एकत्र होकर संगठन की एकजुटता का संदेश दिया। इस अवसर पर बिलासपुर,नवागढ़ एवं रतनपुर इकाई के अध्यक्षों और उनकी टीमों सहित समाज के पूर्व अध्यक्ष कार्तिक श्रीवास, पूर्व सचिव छेदीलाल श्रीवास, तथा जलेश, नरेश, रघुराज, सीताराम, लूमन, विक्की, प्रदीप, अंतू, रमेश, युवराज, घनश्याम, रवि, रज्जू, घुन्हा, मनोहर, सुरेश, महेश, वेदराम, मोहन, शत्रुघ्न, रोहित, दिलीप, सनत समेत सैकड़ों समाजवासी उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मुकेश श्रीवास ने समाजजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी का प्रेम और विश्वास ही मेरी ऊर्जा का स्रोत है। संगठन की मजबूती और जनसेवा के मार्ग पर मैं पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई और अंत में सभी सदस्यों ने समाज की प्रगति व एकता के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

डीएवी किरंदुल ने राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

दंतेवाड़ा(समय दर्शन)। डी ए वी पब्लिक स्कूल किरंदुल के छात्र-छात्राओं ने बिलासपुर में आयोजित राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में अपना शानदार प्रदर्शन किया राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में खेल शिक्षक मनोज कुमार सिंह एवं तृप्ति श्रीवास्तव के नेतृत्व में 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में दिवाकर बैरागी ने स्वर्ण पदक जीत कर संपूर्ण किरंदुल का नाम रोशन किया। 1500 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में नागेश मंडावी ने रजत पदक प्राप्त कर संपूर्ण क्षेत्र को गौरवान्वित किया, इसी तरह 4 गुना 100 मीटर प्रतियोगिता में डीएवी किरंदुल ने रजत पदक प्राप्त किया । रिले रेस में दिवाकर बैरागी, आशीष कुमार ,शिवम गुप्ता ,धीरज बाग एवं आर्यन साहू ने विद्यालय को रजत पदक दिलाया । इस टीम के साथ विद्यालय के शिक्षक चंद्रशेखर वर्मा एवं श्रावणी एस ने स्कॉट टीचर के रूप में भाग लिया । विद्यालय के प्राचार्य एस के श्रीवास्तव ने उपरोक्त सफलता पर छात्रों एवं विद्यालय के शिक्षकों को शुभकामनाएं दी और भविष्य में इससे भी बेहतर प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया ।

वाड्रफनगर पुलिस ने लग्जरी कार से पकड़ी प्रतिबंधित कफसिरप की बड़ी खेप, तीन आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर (समय दर्शन)। बलरामपुर ज़िले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफपुलिस की सख्ती लगातार जारी है। इसी अभियान के तहत वाड्रफनगर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश से आ रही एक इनोवा कार की तलाशी के दौरान भारी मात्रा में प्रतिबंधित कफसिरप और नगद राशि जब्त की है।

रेमड़ा विद्यालय मे सरस्वती सायकल वितरण

बसना(समय दर्शन)। शासन के महत्वकांक्षी योजना, नि:शुल्क सरस्वती सायकल के अंतर्गत दिनांक 18/10/2025 धनतेरस के शुभ मुहूर्त में शासकीय हाई स्कूल रेमड़ा में जिला सदस्या श्रीमती जगमोहन भोई के मुख्य आतिथ्य में सायकल वितरण किया गया ।

शासन प्रशासन ने सरस्वती साइकिल योजनान्तर्गत समाज की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक मिसाल कायम की है। इस गरिमामय अवसर पर श्रीमती जगमोहन भोई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने मां सरस्वती की पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। जिला पंचायत सदस्या श्रीमती जगमोति जगमोहन भोई ने अपने संबोधन में कहा कि यह सायकल केवल साधन नहीं है बल्कि शिक्षा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। छात्रों से लगन एवं मेहनत से पढ़ाई करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष हलधर भोई ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, शिक्षा और सहयोग ही समाज को आगे बढ़ाने के दो प्रमुख स्तंभ हैं।

हमें अपने बेटियों के सपनों को साकार करने में सहयोग देना चाहिए। यही सच्ची सेवा है। हमारे प्रदेश सरकार की यह योजना बालिकाओं को सशक्त बनाती हैं। सरपंच महोदय ने बच्चों से संस्था के प्राचार्य वीरेन्द्र कुमार साहू ने कहा कि भाजपा शासन के संरक्षण में शिक्षा जगत में प्रेरणादायी वातावरण का निर्माण हो रहा है।

इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति समर्पण की भावना व आत्मविशास देते हैं। तथा बच्चों में आत्मविकास व आत्मनिर्भरता आती है।

कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष रामलाल मलिक, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता गोपीनाथ साहू , रेमड़ा ग्राम के सरपंच श्रीमती चांदनी सोहन पटेल व शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष झाड़ूराम परमार , भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्य लखन परमार,पंचायत सचिव निराकार पटेल, भोजराम पटेल, ग्राम पंचायत रेमड़ा के उपसरपंच गोवर्धन यादव, नंदकुमार डड़सेना एवं पंचगण, तथा बड़ी संख्या में ग्राम के पालकगण, विद्यालय परिवार उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन संकुल समन्वयक हेमसागर बगर्ती एवं हेमसिंग सिदार ने किया।

ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जाँजगीर में दिवाली उत्सव के उपलक्ष्य में ''एक दिया खुशियों का'' कार्यक्रम आयोजित

जांजगीर(समय दर्शन)। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जाँजगीर में संस्था संचालक श्री आलोक अग्रवाल, डॉ. गिरिराज गढ़ेवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी के निर्देशन में दिनाँक-18 अक्टूबर 2025 को दिवाली उत्सव के अवसर पर भिन्न-भिन्न प्रकार की गतिविधियाँ आयोजित करायी गई। इन गतिविधियों में सर्वप्रथम ''एक दिया खुशियों का'' विषय के तहत संस्था के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों को दीपावली पर्व की खुशियाँ बांटने के लिये बाल कल्याण समिति, जाँजगीर ले जाया गया। जहाँ पर संस्था द्वारा वहाँ के बालकों को दिया, मिठाई, स्टेशनरी, ग्रीटिंग कार्ड एवं उपहार प्रदान किया गया। साथ ही हमारे संस्था के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने समिति के बच्चों के साथ बात चीत करते हुए अच्छा समय बिताया। हमारी संस्था के द्वारा आयोजित इस पहल से बच्चे उत्साह से भर गए। दीपों का त्योहार दीपावली न केवल उजाले का प्रतीक है, बल्कि यह प्रेम, सौहार्द और खुशियों को बाँटने का भी पर्व है। संस्था की प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि दीवाली का सच्चा अर्थ दूसरों के जीवन में खुशियाँ बाँटना है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में मानवता, संवेदनशीलता और सामाजिक दायित्व की भावना को मजबूत करने वाला है। वास्तव में एक दिया खुशियों का ने यह संदेश दिया कि सच्ची दीवाली वही है जब किसी और के जीवन में भी उजाला फैले। कार्यक्रम की अगली कड़ी में विद्यार्थियों के लिये विभिन्न प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें दिया सजावाट, कार्ड मेकिंग, रंगोली, तोरण एवं कक्षा सजाओं प्रतियोगिता रखी गई। कक्षावार विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कार भी दिया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी - कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - दिव्यांशी यादव, द्वितीय स्थान - वाहन सिंग करियारे, तृतीय स्थान - अक्षित मिरे, कक्षा एल.के.जी -दिया सजावट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान- उन्नती राठौर, द्वितीय स्थान - भूमिका कुमारी सूर्यवंशी, तृतीय स्थान - आरव सिंग लाठिया, वंशिका सुल्तानिया, कक्षा यू.के.जी - दिया सजावट प्रतियोगिता प्रथम स्थान -प्रदीसी राठौर, द्वितीय स्थान- लावन्या खुटे, नव्या तिवारी, तृतीय स्थान - रियांशी सोनवानी, कक्षा-पहली 'अ' रंगोली बनाओ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - आराधना प्रधान, द्वितीय स्थान - पारुल पटेल, तृतीय स्थान - पार्थ खैरवार, कक्षा-पहली 'ब' में प्रथम स्थान - अंजल यादव, द्वितीय स्थान - काव्या सिंह राठौर, तृतीय स्थान - हरिणीका कश्यप, प्रतिष्ठा सिंह, कक्षा-दूसरी में प्रथम स्थान - आन्वी अग्रवाल, द्वितीय स्थान - हंसिका यादव, तृतीय स्थान - सेल्वी रात्रे विजयी रहें। इन विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र, मेडल एवं उपहार प्रदान किया गया। विद्यार्थियों द्वारा संस्था के समस्त ग्रुप डी स्टॉफको ग्रिटिंग कार्ड, दिया एवं मिठाई प्रदान किया गया। साथ ही दीपावली पर्व के अवसर पर संस्था द्वारा समस्त कर्मचारियों को मिठाई वितरण करते हुए शुभकामनाएँ दी गई। इन समस्त गतिविधियों में संस्था संरक्षक श्रीमती पुष्पा देवी अग्रवाल, श्रीमती प्रणिता अग्रवाल, श्री आशीष अग्रवाल, श्रीमती संध्या अग्रवाल, श्रीमती रेणुका गढ़ेवाल, श्री विष्णु धानुका, श्रीमती बबीता धानुका का सानिध्य रहा। कार्यक्रम के सफल संचालन में संस्था के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं, एडमिन स्टॉफ, ग्रुप डी स्टॉफका विशेष योगदान रहा।

मांझी महोत्सव 25 के लिए, अगासदिया समानों की घोषणा

भिलाई (समय दर्शन)। इस वर्ष भी परम्परा के अनुसार तीन दिवसीय कंगला मांझी महोत्सव 05 दिसम्बर से 07 दिसंबर 25 को बालोद जिले के ग्राम बाघमार में सम्पन्न होगा। यह तीन दिवसीय महोत्सव देश भर में चर्चित है। हीरासिंह देव उर्फ कंगला मांझी की स्मृति में हर साल आयोजित होने वाले महोत्सव में छत्तीसगढ़ के चुने हुए विभिन्न क्षेत्रों के साधक सम्मानित होते हैं। सम्मान समिति की अध्यक्ष राजमाता फुलवा देवी कांगे, कुंभदेव कांगे, बी.एल.ध्रुव और बी.एल. ठाकुर तथा समारोह के संयोजक साहित्यकार डॉ. परदेशीराम वर्मा ने सर्वसम्मत से सम्मान हेतु सुपात्रों का चयन किया।

छत्तीसगढ़ के अलग-अलग क्षेत्रों की महान विभूतियों के नाम पर दिए जाने वाले सम्मान और चयनित सम्मानितों की सूची घोषित की गई। सम्मान समिति के संयोजक डॉ. परदेशी राम वर्मा ने आज बताया कि कंगला मांझी सम्मान सरगुजा ,बस्तर और रायपुर के पूर्व कमिश्नर तथा बालोद क्षेत्र के ग्राम गुजरा में जन्मे जी.आर. चुरेन्द्र को प्रदान किया जाएगा, जिन्होनें जीवनकाल में सोलह हजार जोड़ों का विवाह सम्पन्न करवाया है।

बालोद जिले के देवरी गांव के कारगिल के अमर शहीद दुर्वाशा लाल निषाद सम्मान राजहरा निवासी डॉ. शिरोमणि माथुर को प्रदान किया जायेगा जो प्रख्यात साहित्यकार और समाज सेविका तथा शिक्षाविद हैं। दुलारसिंह मंदराजी सम्मान प्रख्यात कलाकार लिमतरा निवासी लोकमया के अध्यक्ष महेश वर्मा को दिया जाएगा। देवदास बंजारे सम्मान कंडरका निवासी लोकधारा के अध्यक्ष राजेन्द्र साहू एवं नारायण चंद्राकर सम्मान गंगा साहू को प्रदान किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि देवदास बंजारे एवं नारायण चंद्राकर अगासदिया के स्तंभ थे। प्रख्यात साहित्यकार एवं शिक्षाविद महेन्द्र बघेल को राष्ट्रीय ख्याति के साहित्यकार लतीफ घोघी सम्मान प्रदान किया जाएगा। महेन्द्र बघेल का छत्तीसगढ़ी भाषा में लिखित व्यंग्य संग्रह झन्नटा तुंहर दुवार चर्चित है। छत्तीसगढ़ के राजगीत के रचयिता एवं व्याकरण तथा गद्य पद्य के बड़े रचनाकार डॉ. नरेन्द्र वर्मा स्मृति सम्मान नवापारा के प्रख्यात साहित्यकार एवं चिंतक दिनेश चौहान को तथा अगासदिया परिवार के संरक्षक रहे संत कवि पवन दीवान की स्मृति में सम्मान उनके शिष्य स्वामी चित्रानंद को प्रदान किया जाएगा।

दिवाली के पहले दिया 'खुशियों' वाला गिफ्ट, भावुक हो गए इस वृद्धाश्रम के बुजुर्ग

अब नही होगी किसी जरूरतमंदों की दीवाली फीकी

दुर्ग (समय दर्शन)। पिछले कई वर्षों की तरह इस वर्ष भी जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग द्वारा दीपावली के अवसर पर दिनांक 17 अक्टुबर से 20 अक्टुबर तक खुशियों की दीपवाली सप्ताह बनाया जा रहा है। जिसमें प्रतिदिन अलग-अलग स्थान जैसे दुर्ग भिलाई के वृद्धाआश्रम अनाथ हॉस्पिटल बालआश्रम मंदबुद्धि स्कूल दुर्ग स्टेशन समृद्धि बाजार के पास बस स्टैंड एवं शहर के अन्य स्थानों में जीवन यापन कर रहे गरीब, असहाय, महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे जिनके पास या तो घर नही है या फिर भीख मांगकर फुटपात में रहे रहे है उन्हें नयी साड़ी, मिठाई, एवं बुजुर्गों को धोती, कुर्ता पैजामा, मिठाई का संस्था द्वारा वितरण किया गया जा रहा है। संस्था द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों के छोटे-छोटे गरीब बच्चों को नये कपड़े मिष्ठान, नमकीन, रंगीन पटाखे का वितरण जन सहयोग से किया जा रहा है।

संस्था का एक मात्र उदेश्य समाज के निराश्रित एवं अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को भी वह सुख सुविधाएँ पहुंचाने का प्रयास करना है, जिनसे अभी तक यह अछूता है, इन्ही बातों को आत्मसात करते हुए सभी के सहयोग से दीपावली पर्व एवं अन्य सभी पर्व एवं प्रतिदिन हर जरूरतमंदों की हर सम्भव मदद करने का प्रयास संस्था द्वारा विगत 7 वर्षों से किया जा रहा है। संस्था के सदस्य विगत 8 वर्षों से अपने सभी पर्व गरीब, असहाय, बुजुर्गों के साथ ही मना रहे है, दीपावली पर्व को भी संस्था के सभी सदस्यों ने गरीब, असहाय, बुजुर्गों, महिलाओं एवं छोटे बच्चों के साथ पटाके फोड़कर सभी को मिठाई एवं नये कपड़ों का वितरण करके मन रहा है। जन समर्पण सेवा संस्था के मोहित पुरोहित ऋषि गुप्ता ने बताया कि प्रदेश एवं शहर के अधिकांश घरों में दीपावली पर्व में बिजली की चकाचोंध व्यवस्था है और सभी लोग मिठाई, पकवान एवं पटाखों का आनंद लेते है, परन्तु प्रदेश एवं शहर में आज भी ऐसे गरीब परिवार एवं बच्चे है जो मिठाई खाना तो दूर मिठाई चखने से भी वंचित रह जाते है, और गरीब बच्चे आसमान में छूटने वाले पटाखों को देखकर ही खुश हो जाते है। ऐसा कार्य सँस्था कर रही है, आज दिनाँक 18 अक्टुबर को संस्था द्वारा खुशियों की दीपवाली सप्ताह बनाते दुर्ग में स्थित वृद्धा आश्रम एवं भिलाई के फील परमार्थ फाउंडेशन में निवास करने वाले सभी महिलाओं एवं पुरुषों को नया कपड़ा के साथ साथ सभी को मिठाई, नमकीन, पटाखे, चॉकलेट, बिस्किट, साबुन, निरमा, तेल एवं अन्य उपयोगी सामग्री का वितरण किया.

इस आयोजन में सभी बुजुर्ग पुरुषों को एक जैसा कलर का नया कुर्ता एवं महिलाओं को एक जैसे कलर की साड़ी का वितरण किया गया, जिसे पाकर सभी बुजुर्ग बहुत भावुक हो उठे, संस्था द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है कि ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंदों तक यह सब सामग्री पहुंच सके ताकि सभी लोग यह पर्व बड़े धूमधाम एवं खुशी से बना सके..

आज मोहलई में जरूरतमंद बच्चों को दीपावली का उपहार

संस्था द्वारा इस सेवा कार्य के तीसरे दिवस दिनाँक 19 अक्टुबर को ग्राम मोहलाई में जाकर सभी जरूरतमंद गरीब बच्चों को को खुशियों की दीपवाली बनाने हेतु पटाखे नया कपड़ा मिठाई नमकीन एवं अन्य जरूरत की सामग्री का वितरण किया जावेगा। आज के सेवा कार्य मे पायल जैन अध्यक्ष व्यापारी महिला प्रकोष्ठ दुर्ग मिथला देवी शर्मा सँस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी आशीष मेश्राम प्रीति राजगढ़िया अर्जित शुक्ला रूपल गुप्ता लक्की अग्रवाल सुजल शर्मा मोंटू चौरसिया राजेन्द्र ताम्रकार अख्तर खान मृदुल गुप्ता प्रकाश ठाकुर नमन खंडेलवाल आदि उपस्थित थे।

लंबित वेतन समझौता के लिए सार्थक पहल कर दीवाली पूर्व सौगात दिलाने पर सांसद महेश कश्यप का बीएमएस ने किया आभार व्यक्त

किरंदुल (समय दर्शन)। एनएमडीसी कर्मचारियों का विगत 3 वर्ष 10 माह की दीर्घ अवधि से लंबित पुनरीक्षित वेतनमान लागू कराने हेतु खदान मजदूर संघ (संबद्ध भारतीय मजदूर संघ) शाखा किरंदुल, बचेली एवं नगरनार मजदूर इस्पात संघ के अनुरोध पर बस्तर सांसद महेश कश्यप द्वारा त्वरित और सार्थक पहल करते हुए नई दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के निवास पर केंद्रीय इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी से इस विषय पर गहन विचार विमर्श करते हुए अतिशीघ्र वेतन समझौता लागू कराने के लिए पुरजोर तरीके से बात रखी गई जिस पर केंद्रीय इस्पात मंत्री ने बस्तर सांसद एवं भारतीय मजदूर संघ की मांग को गंभीरता से लेते हुए पूर्ण आश्वास्त कर त्वरित कार्रवाई करते एनएमडीसी के उच्च प्रबंधन से तत्काल नई दिल्ली में बैठक आहूत की गई तथा शीघ्र अतिशीघ्र श्रमिकों की इस बहुप्रतीक्षित मांग को पूर्ण करने की दिशा में अत्यंत ही सकारात्मक कार्रवाई की गई तथा केंद्रीय इस्पात मंत्रालय से प्राप्त दिशा-निर्देशानुसार अनुमोदन शीघ्र ही प्राप्त होने की प्रत्याशा में धनतेरस की पूर्व संध्या में कर्मचारियों को तदर्थ रूप से पात्र कर्मचारियों को देय बकाया का 75 प्रतिशत राशि (आयकर कटौती पश्चात) की सौगात प्रदान की गई। श्रमिक हित में की गई इस अत्यंत ही महत्वपूर्ण पहल पश्चात स्थानीय एनएमडीसी अतिथिगृह में बस्तर सांसद महेश कश्यप, दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी का खदान मजदूर संघ के शाखा किरंदुल के पदाधिकारियों बी. दिल्ली राव, राजेंद्र यादव, दानेश्वर जोशी, उपेंद्रनाथ त्रिपाठी, सुरेश ठाकुर एवं बचेली शाखा के दीपशंकर देवांगन, सुरेश तामो, अमित, राजेश डेहरिया, सुभाष द्वारा एनएमडीसी कर्मचारियों की इस बहुप्रतीक्षित मांग वेतन समझौते को जल्द लागू करवाने की गई इस सार्थक पहल के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित।
संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samay.darshan191@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27